पाक्षिक

क्रांतिरथ छत्तीसगढ़

सामाजिक क्रांति के पथ पर अग्रसर

◆ वर्ष - 23 ◆ अंक - 08 ◆ रायपुर 20 अक्टूबर 2026 ◆ पृष्ठ - 08 ◆ मूल्य-5/- रुपया

किसानों की खुशहाली और समृद्धि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता- मुख्यमंत्री

विधायक ईश्वर साहू ने दुर्गा पंडालों में पहुंचकर किए माता रानी के दर्शन

15,000 का इनाम घोषित, 3 राज्यों में तलाश

रायपुर। कांग्रेस नेता आनंद कुकरेजा और उनके परिवार को गैंगस्टरों के नाम पर धमकाकर 25 करोड़ रुपये की प्रोटेक्शन मनी मांगने के मामले में फरार शोएब ढेबर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने उसे विदेश भागने से रोकने के लिए लुकआउट सर्कुलर जारी कराया है। वहीं, उसकी गिरफ्तारी पर डीसीपी सेंट्रल तारकेश्वर पटेल ने पांच हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया है। पुलिस की टीमें छत्तीसगढ़ के अलावा महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में उसकी तलाश कर रही हैं। शोएब, शराब और कोयला लेवी समेत विभिन्न मामलों में आरोपित अनवर ढेबर का पुत्र है।

पुलिस के अनुसार, कांग्रेस नेता आनंद कुकरेजा ने 14 सितंबर को अज्ञात कालर की ओर से प्रोटेक्शन मनी के लिए धमकी दिए जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के दौरान सिम कार्ड और मोबाइल के आइएमइआइ नंबर के आधार पर शोएब ढेबर की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया गया था। 27 सितंबर को उसे रिमांड पर लेने के लिए न्यायालय में पेश किया गया। इस दौरान जिस दोस्त को उसकी गिरफ्तारी की सूचना दिए जाने की बात सामने आई,

परिवार को भी धमकियां मिलने की चर्चा

मामले में पुलिस शोएब के रिश्तेदारों और परिचितों के संपर्कों की भी जांच कर रही है। आशंका है कि रायपुर में उसके कई संपर्क हो सकते हैं। उसके परिवार को भी कथित तौर पर प्रोटेक्शन मनी के लिए धमकियां मिलने की बात सामने आई है। पुलिस उसकी गतिविधियों और संभावित ठिकानों की जानकारी जुटा रही है।

25 करोड़ की रंगदारी मामले में फरार शोएब ढेबर पर लुकआउट सर्कुलर जारी

उसने अदालत में आरोपित को पहचानने से इनकार कर दिया। इसके बाद गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए उसे जमानत मिल गई। पुलिस ने अगले ही दिन न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए अपील की और दोबारा गिरफ्तारी वारंट जारी कराया। इसके बाद पुलिस टीम ने शोएब के घर, होटल और अन्य संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन तब तक वह फरार हो चुका था। अब पुलिस उसकी तलाश के साथ ही उन परिस्थितियों की भी पड़ताल कर रही है, जिनमें वह गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद पकड़ से बाहर हो गया। शोएब ढेबर की गिरफ्तारी पर 10 हजार का इनाम और घोषित किया गया है। रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने इसकी घोषणा की है। पहले भी सेंट्रल डीसीपी ने 5 हजार रुपए इनाम की घोषणा कर चुके हैं, इस तरह इनाम की राशि 15 हजार रुपये हुई।

गृह विभाग ने मांगी फरार होने की रिपोर्ट

शोएब ढेबर के जमानत पर छूटने और दोबारा गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद फरार होने के घटनाक्रम को लेकर गृह विभाग ने पुलिस से रिपोर्ट मांगी है। पुलिस अब लुकआउट सर्कुलर के जरिए उसके विदेश जाने की आशंका रोकने और पांच हजार रुपये के घोषित इनाम के बीच संभावित ठिकानों पर तलाश कर रही है। फिलहाल उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

एजाज ढेबर ने भी दर्ज कराई थी शिकायत

रायपुर के पूर्व महापौर एजाज ढेबर ने भी कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि बिश्नोई गैंग के नाम पर फोन कर उनसे 50 करोड़ रुपये की प्रोटेक्शन मनी मांगी गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ढेबर परिवार को अंतरराष्ट्रीय काल के जरिए धमकियां दिए जाने की जानकारी मिली थी। इस मामले में काल करने वाले व्यक्ति के संबंध में जुटाई गई जानकारियां गृह विभाग को भेजे जाने की बात भी सामने आई है। हालांकि, पुलिस अधिकारियों ने जांच के संबंध में आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की है।

सार समाचार

पीएम मोदी 11 दिसंबर को कनाडा जाएंगे

नई दिल्ली/टोरंटो. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 से 12 दिसंबर को कनाडा के दौरे पर रहेंगें। इस दौरान दोनों देशों के बीच ट्रेड डील पर बातचीत होगी। भारत-कनाडा व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना भी है। इसके तहत दो देश व्यापार, निवेश और कारोबार बढ़ाने के लिए नियम तय करते हैं। भारत और कनाडा 2030 तक आपसी कारोबार को बढ़ाकर सालाना 7 लाख करोड़ रुपए करना चाहते हैं। अभी दोनों देशों के बीच करीब 3 लाख करोड़ रूपए का व्यापार होता है। PM मोदी का दौरा ऐसे समय पर हो रहा है ।

सीजेपी के लहरा दो तिरंगा मार्च को लेकर छावनी बनी दिल्ली

नई दिल्ली । कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की ओर से शुक्रवार शाम पांच बजे आयोजित किए जाने वाले 'लहरा दो तिरंगा' मार्च के आह्वान को देखते हुए दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। दिल्ली पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के 32 हजार से अधिक जवानों को सतर्क रखा गया है। हालांकि, प्रशासन ने बड़े पैमाने पर प्रस्तावित मार्च को अनुमति देने से इनकार कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, केवल कुछ चुनिंदा लोगों को किसी उपयुक्त स्थान पर मार्च निकालने की अनुमति दी जा सकती है।

एनआईटी रायपुर के कुलसचिव बने अशोक गुप्ता

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर में कुलसचिव की जिम्मेदारी अशोक कुमार गुप्ता ने संभाल ली है। उन्होंने 16 अक्टूबर 2026 से पदभार ग्रहण किया। गुप्ता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई से प्रतिनियुक्ति पर NIT रायपुर आए हैं।

शैक्षणिक संस्थानों में 20 साल से ज्यादा का प्रशासनिक अनुभव रखने वाले गुप्ता अब संस्थान के कुलसचिव कार्यालय का नेतृत्व करेंगे। उनके पास संस्थान से जुड़े प्रशासनिक कामकाज के संचालन की जिम्मेदारी रहेगी।अशोक कुमार गुप्ता दिसंबर 2017 से IIT भिलाई में कार्यरत थे। वहां उन्होंने अपर कुलसचिव और उप कुलसचिव के पदों पर जिम्मेदारी निभाई।

गरबा महोत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और मातृशक्ति के सम्मान का प्रतीक- मुख्यमंत्री साय

माताओं-बहनों का सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताः मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर में आयोजित विभिन्न गरबा महोत्सवों और दुर्गा पूजा आयोजनों में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए मां आदिशक्ति से छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि नवरात्रि शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की आराधना का महापर्व होने के साथ हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, सामाजिक एकता और मातृशक्ति के सम्मान का उत्सव भी है। गरबा और दुर्गा पूजा जैसे आयोजन हमारी आस्था और परंपराओं को जीवंत रखते हुए समाज को प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के सूत्र में जोड़ते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने माना बाजार सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति तथा सार्वजनिक श्री श्री दुर्गा पूजा समिति द्वारा स्थापित दुर्गा पूजा पंडालों में पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन और पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां के चरणों में शीश नवाकर प्रदेशवासियों के कल्याण और छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति का आशीर्वाद मांगा। इसके पश्चात मुख्यमंत्री श्री साय हुकुम ललित महल में पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत युवा विंग द्वारा आयोजित 'रास गरबा विथ भजन डांडिया', रामबाग में आयोजित रास गरबा, पचपेड़ी नाका स्थित राम मंगलम लॉन में श्री दशा सोरठिया वाणिक समाज द्वारा आयोजित 'सोरठी रंग रंगीलो' नवरात्रि उत्सव तथा शंकर नगर स्थित बीटीआई मैदान में नवरात्रि एवं रास गरबा उत्सव समिति द्वारा आयोजित 'संकल्प गरबा' में शामिल हुए। विभिन्न आयोजनों में समाजजनों और श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री श्री साय का आत्मीय स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि के पावन अवसर पर आज पूरे देश और छत्तीसगढ़ में भक्ति, आस्था और उल्लास का वातावरण है। गरबा मां दुर्गा के प्रति श्रद्धा और भक्ति को अभिव्यक्त करने का सुंदर माध्यम है। गुजरात की सांस्कृतिक परंपरा से निकला गरबा आज पूरे देश में लोकप्रिय होकर हमारी सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत की विशेषता उसकी विविधता में निहित एकता है। हमारे पर्व और उत्सव अलग-अलग समाजों, समुदायों और पीढ़ियों को एक साथ जोड़ते हैं तथा अपनी जड़ों और संस्कृति से जुड़े रहने की प्रेरणा देते हैं।

नवरात्रि मातृशक्ति के सम्मान और सामर्थ्य का पर्व

मुख्यमंत्री श्री साय ने गरबा आयोजनों में बड़ी संख्या में उपस्थित माताओं, बहनों और बेटियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव शक्ति का स्वरूप माना गया है।

ट्रम्प ने भारत पर 100% टैरिफ लगाने वाला कानून रोका

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने रूस पर सख्त प्रतिबंध लगाने वाले कानून को फिलहाल रोक दिया है। ट्रम्प ने शुक्रवार को इस फैसले से जुड़े आदेश पर हस्ताक्षर किए और कहा कि यह कदम अमेरिका के हित में है। इस कानून के तहत रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100% तक टैरिफ लगाया जा सकता था। इन देशों में चीन, भारत, स्लोवाकिया समेत हंगरी और अजरबैजान शामिल थे।प्रतिबंध से जुड़े कानून का मकसद रूस की कमाई के रास्ते बंद करना था, ताकि यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध के लिए उसे पैसा जुटाने में मुश्किल हो। खास बात ये है कि ट्रम्प ने 9 अक्टूबर को ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ डीजल खरीदने की डील की थी। ट्रम्प ने रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले बिल (लिंडसे ग्राहम एक्ट) पर 18 सितंबर 2026 को साइन किए थे। 16 सितंबर को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने इसे 262-159 वोटों से मंजूरी दी थी।कानून पर साइन करने के बाद ट्रम्प को प्रतिबंध लगाने का फैसला 30 दिन के अंदर करना था। हालांकि, ट्रम्प ने इससे पहले ही प्रतिबंधों और टैरिफ पर छूट दे दी।

भारत के तेल आयात में रूस का 45% हिस्सा

भारत अपनी जरूरत का 85% से ज्यादा कच्चा तेल दूसरे देशों से खरीदता है। अगस्त 2026 में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी करीब 45% थी। भारत ने अगस्त में रूस से रोजाना औसतन 20.8 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा था। ऐसे में रूस से तेल खरीदने पर 100% तक टैरिफ लगने का खतरा भारत के लिए चिंता की वजह था।

आजादी के बाद पहली बार रावघाट पहुँची रेल

छत्तीसगढ़ के रेल विकास में ऐतिहासिक उपलब्धि

रावघाट-रायपुर एवं रायपुर- कुरूद नई यात्री रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

रायपुर। भारतीय रेल द्वारा छत्तीसगढ़ में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार एवं यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई। माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं माननीय केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव की गरिमामयी उपस्थिति में ताड़ोकीङ्करावघाट एवं अभनपुरङ्ककुरूद ब्रॉडगेज रेल लाइन का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर रावघाटङ्करायपुर एवं रायपुरङ्ककुरूद नई यात्री रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। साथ ही, रायपुर में इलेक्ट्रिक रेल इंजन मेंटेनेंस फैसिलिटी का शिलान्यास भी किया गया। माननीय केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए।

आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक रेल पहुँचना दक्षिण छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि है। इन परियोजनाओं एवं नई यात्री रेल सेवाओं से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा नागरिकों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में इन महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं एवं नई यात्री रेल सेवाओं के शुभारंभ के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी के प्रति छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को निरंतर गति मिल रही है। इस वर्ष छत्तीसगढ़ को रेल बजट के अंतर्गत 7,000 करोड़ से अधिक की राशि प्राप्त हुई है, जो राज्य में रेल अवसंरचना के विस्तार, बेहतर कनेक्टिविटी और यात्री सुविधाओं के विकास के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन परियोजनाओं से राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा तथा औद्योगिक, व्यापारिक और सामाजिक-आर्थिक विकास को नई गति प्राप्त होगी।

माननीय केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने अपने संबोधन में छत्तीसगढ़ की जनता को इन महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं एवं रावघाट-रायपुर तथा रायपुर-कुरूद नई यात्री रेल सेवाओं के शुभारंभ पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अवसंरचना का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। दल्लीराझरा-रावघाट नई रेल लाइन, केंद्री-अभनपुर-राजिम-धमतरी आमान परिवर्तन तथा विभिन्न मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं सहित अनेक महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए गए हैं। खरसिया-परमालकसा डबल लाइन परियोजना पर भी कार्य जारी है। हाल ही में पेंड्रारोड-बिलासपुर-उसलापुर तीसरी रेल लाइन को भी कैबिनेट की मंजूरी मिली है। इन परियोजनाओं से छत्तीसगढ़ में रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी, यात्री सुविधाओं का विस्तार होगा तथा औद्योगिक एवं आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। रायपुर स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में माननीय सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, श्री बृजमोहन अग्रवाल एवं श्रीमती

रूपकुमारी चौधरी तथा विधायक श्री राजेश मूणत, श्री पुरन्दर मिश्रा एवं श्री मोती लाल साहू की उपस्थिति रहीं। वहीं, रावघाट स्टेशन पर माननीय सांसद श्री भोजराज नाग, विधायक श्री विक्रम उसेंडी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक पहुँची रेल, औद्योगिक विकास को मिलेगी गति दल्लीराझरा एवं रावघाट के मध्य ?1,628 करोड़ की लागत से 95 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन का कार्य पूर्ण किया गया है। ताड़ोकी से रावघाट के बीच 17.5 किलोमीटर रेल लाइन का कार्य पूरा होने के साथ ही इस परियोजना का कार्य पूर्ण हुआ है। रावघाट तक रेल संपर्क स्थापित होने से दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को रेल परिवहन की सुविधा मिलेगी। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं व्यापार से जुड़े अवसरों तक उनकी पहुँच आसान होगी।

इस रेल लाइन से क्षेत्र की औद्योगिक एवं आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। विशेष रूप से रावघाट क्षेत्र के लौह अयस्क के परिवहन को गति मिलेगी, जिससे भिलाई इस्पात संयंत्र सहित देश के लौह एवं इस्पात उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। बेहतर रेल संपर्क से कच्चे माल के परिवहन को अधिक सुगम बनाने तथा औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही क्षेत्र में रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर विकसित होने की संभावनाएँ बढ़ेंगी।

अभनपुर-कुरूद ब्रॉडगेज लाइन से यात्री सुविधाओं का विस्तार

केन्द्री-धमतरी एवं अभनपुर-राजिम गेज परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत अभनपुर से राजिम के मध्य कार्य पूर्ण होने के बाद यात्री सेवाएँ प्रारंभ की जा चुकी हैं। वहीं, अभनपुर-धमतरी गेज परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत अभनपुर-कुरूद के बीच 22 किलोमीटर रेल लाइन का गेज परिवर्तन कार्य पूर्ण किया गया है। इस परियोजना के शेष कुरूद-धमतरी सेक्शन में कार्य प्रगति पर है, जिसे जल्द पूरा किया जाएगा।

अभनपुर-कुरूद ब्रॉडगेज लाइन के उद्घाटन से क्षेत्र में रेल संपर्क का विस्तार हुआ है। इससे यात्रियों को राजधानी रायपुर तक आवागमन के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्रीय विकास, व्यापार एवं दैनिक आवागमन को प्रोत्साहन मिलेगा।

रावघाट-रायपुर एवं रायपुर-कुरूद नई यात्री रेल सेवाओं से यात्रियों में खुशी

रावघाट-रायपुर एवं रायपुर-कुरूद नई यात्री रेल सेवाओं के प्रारंभ होने से संबंधित क्षेत्रों के यात्रियों को रायपुर तक सीधी रेल यात्रा की सुविधा मिलेगी। इन नई रेल सेवाओं की शुरुआत से युवाओं, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों एवं अन्य दैनिक यात्रियों में खुशी का माहौल है। राजधानी तक सुविधाजनक रेल संपर्क उपलब्ध होने से विद्यार्थियों को शिक्षा, युवाओं को रोजगार तथा आम नागरिकों को चिकित्सा, व्यापार एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आवागमन में सुविधा मिलेगी।

इन सेवाओं से किसानों, व्यापारियों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के अन्य यात्रियों को भी लाभ होगा। राजधानी तक आवागमन सुगम होने से शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार एवं पर्यटन के क्षेत्र में नए अवसर विकसित होंगे। साथ ही, किसानों को अपनी कृषि उपज बड़े बाजारों तक पहुँचाने के लिए परिवहन का बेहतर विकल्प मिलेगा। इन सेवाओं से दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों को राजधानी से जोड़ने तथा क्षेत्रीय सामाजिक-आर्थिक विकास को

गति देने में मदद मिलेगी। रायपुर से रावघाट तक यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए किराया मात्र 55 होगा। किफायती किराये में रेल यात्रा की सुविधा मिलने से विद्यार्थियों, युवाओं, दैनिक यात्रियों और आम नागरिकों को लाभ मिलेगा।

रायपुर में इलेक्ट्रिक रेल इंजन मेंटेनेंस फैसिलिटी का शिलान्यास

रायपुर में इलेक्ट्रिक रेल इंजन मेंटेनेंस फैसिलिटी का शिलान्यास आधुनिक रेल अवसंरचना को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस सुविधा के विकसित होने से भविष्य में 300 हाई हॉर्सपावर इलेक्ट्रिक रेल इंजनों के रखरखाव की क्षमता विकसित होगी। इससे इलेक्ट्रिक लोको की उपलब्धता बढ़ाने, रखरखाव संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने तथा रेल परिचालन को अधिक सुचारु एवं सुदृढ़ बनाने में सहायता मिलेगी। यह सुविधा देश में बढ़ती माल परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करने एवं अन्य औद्योगिक वस्तुओं के परिवहन को समर्थन देने और भारतीय रेल की परिचालन क्षमता को मजबूत करने में योगदान देगी। इन परियोजनाओं एवं नई यात्री रेल सेवाओं के शुभारंभ से छत्तीसगढ़ में रेल कनेक्टिविटी का विस्तार हुआ है। इससे दूरस्थ क्षेत्रों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलने के साथ औद्योगिक, कृषि एवं व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। रावघाट तक रेल का पहुँचना प्रदेश के रेल विकास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो यात्री सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ औद्योगिक विकास और क्षेत्र की आर्थिक प्रगति को भी नई दिशा प्रदान करेगा।

संक्षिप्त समाचार

नवागांव में माता रानी दुर्गा की भव्य शोभायात्रा के साथ विसर्जन

भक्ति और श्रद्धा के साथ ग्रामवासियों ने दी माता रानी को विदाई

थान खम्हरिया। समीप ग्राम नवागांव में नवरात्रि पर्व के समापन पर माता रानी दुर्गा की प्रतिमा का विधि-विधान से पूजन-अर्चन और आरती के बाद विसर्जन किया गया। इस अवसर पर ग्राम में माता रानी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामवासी शामिल हुए। पूरे गांव में भक्तिमय वातावरण रहा। श्रद्धालुओं ने माता रानी की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में जय मां शीतला भजन मंडली ने भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तिमय माहौल बनाया। मंडली में गायक गजराज ठाकुर, दरबारी ठाकुर, धनऊ ठाकुर और मुकुट ठाकुर ने भजनों की प्रस्तुति दी। ढोलक वादन में कुमार ठाकुर, नारद ठाकुर, धनऊ ठाकुर और भीषय ठाकुर ने साथ दिया। झांझ वादन में बीश्राम ठाकुर और मंत्थीर ठाकुर तथा छनकी वादन में इशर ठाकुर, शेत ठाकुर, रमेश नेताम, सेतुल ठाकुर और पारस ठाकुर ने सहयोग किया। कार्यक्रम में नटखट झांकी भी आकर्षण का केंद्र रही। माता रानी के विसर्जन के दौरान ग्रामवासियों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ भागीदारी निभाई। पूरे आयोजन में धार्मिक उत्साह और सामाजिक एकता का सुंदर दृश्य देखने को मिला।

महाष्टमी पर मंदिरों और दुर्गा पंडालों में हवन-पूजन, कन्या भोज का आयोजन

मंत्रोच्चार और पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुए धार्मिक अनुष्ठान, हवन की सुगंध से भक्तिमय हुआ नगर

ब्यूरो चीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। महाष्टमी के पावन अवसर पर नगर थान खम्हरिया सहित ग्रामीण अंचलों के मंदिरों और दुर्गा पूजा पंडालों में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ हवन-पूजन किया गया। सुबह से ही मंदिरों और पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की आवाजाही लगी रही। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की गई। नगर के अधिकांश मंदिरों और दुर्गा पंडालों में दोपहर 4 बजे के बाद हवन प्रारंभ हुआ, जो दो से तीन घंटे तक चला। धार्मिक अनुष्ठानों का समापन पूर्णाहुति के साथ हुआ।

महाष्टमी के अवसर पर शीतला मंदिर में शिवेंद्र बिंदल एवं उनकी पत्नी प्रीति बिंदल ने अपने सुपुत्र कान्हा बिंदल के साथ कन्या भोज का आयोजन किया। इस दौरान कन्याओं का पूजन कर उन्हें चुनरी एवं पूजन सामग्री भेंट की गई तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। श्रद्धालु अपने-अपने घरों से विभिन्न प्रकार के पकवान बनाकर लाए थे, जिन्हें कन्याओं को श्रद्धापूर्वक परोसा गया।

नगर के मारवाड़ी दुर्गा उत्सव समिति, मल्लू चौक स्थित महारानी दुर्गा उत्सव समिति, शुभ-लाभ दुर्गा उत्सव समिति, न्यू बस स्टैंड स्थित नवदुर्गा समिति, धर्मशाला स्थित नवदुर्गा उत्सव समिति तथा खेतीहर मजदूर संघ दुर्गा उत्सव समिति सहित विभिन्न पूजा पंडालों में हवन-पूजन के कार्यक्रम आयोजित किए गए। खेतीहर मजदूर संघ के दुर्गा उत्सव पंडाल में आचार्य पंडित राजेंद्र प्रसाद तिवारी ने विधि-विधान से हवन-पूजन संपन्न कराया।

वहीं, श्रद्धालुओं ने अपने घरों में भी मां दुर्गा की विशेष पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। महाष्टमी के इस पावन अवसर पर पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। हवन की सुगंध और मंत्रोच्चार से वातावरण आध्यात्मिक हो उठा। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

विधायक ईश्वर साहू ने दुर्गा पंडालों में पहुंचकर किए माता रानी के दर्शन

विभिन्न समितियों के पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं से की मुलाकात, क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। साजा विधानसभा क्षेत्र के विधायक ईश्वर साहू विभिन्न गांवों के दौरे के दौरान नगर थान खम्हरिया पहुंचे। यहां उन्होंने जिला मंत्री सुरेश सिंघानिया के निवास पर पहुंचकर जलपान ग्रहण किया तथा परिवारजनों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। इसके पश्चात विधायक नगर के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों में पहुंचे और मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

विधायक ईश्वर साहू ने गोल बाजार स्थित मारवाड़ी दुर्गा उत्सव समिति, मल्लू चौक स्थित महारानी दुर्गा उत्सव समिति, न्यू बस स्टैंड स्थित नवदुर्गा उत्सव समिति तथा धर्मशाला में विराजित मां दुर्गा के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न समितियों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। पूजा समितियों के सदस्यों ने विधायक का दुपट्टा पहनाकर आत्मीय स्वागत किया।

इस अवसर पर विधायक ईश्वर साहू ने मां भगवती के दर्शन कर समस्त क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा कि मां दुर्गा की कृपा सभी पर सदैव बनी रहे और प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख-शांति एवं समृद्धि का वास हो। इस दौरान पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी, नगर पंचायत एल्डरमैन अनिल सिंघानिया, जिला मंत्री सुरेश सिंघानिया, निखिल अग्रवाल, विष्णु जोशी, रमेश जैन, उज्वल सिंघानिया, प्रमोद सिंघानिया, शिवेंद्र बिंदल, अंकित बिंदल, रौनक मुरारका, पवन मुरारका, पार्षद सूरजपाल, घसिया निषाद, आदर्श जोशी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एसपी त्रिलोक बंसल ने मां दुर्गा भवानी के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की

धर्मपत्नी के साथ पुलिस कॉलोनी स्थित दुर्गा पंडाल पहुंचकर की पूजा-अर्चना

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। बेमेतरा पुलिस कॉलोनी में पुलिस परिवार द्वारा मां दुर्गा भवानी की प्रतिमा स्थापित कर जसगीत, भजन एवं कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक बेमेतरा श्री त्रिलोक बंसल (भा.पु.से.) अपनी धर्मपत्नी के साथ पुलिस कॉलोनी स्थित मां दुर्गा भवानी के पंडाल पहुंचे। यहां उन्होंने माता रानी के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री त्रिलोक बंसल ने मां दुर्गा भवानी के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए पुलिस परिवार और बेमेतरा जिले के समस्त नागरिकों के लिए सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की।

पुलिस कॉलोनी में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में जसगीत, भजन एवं कीर्तन के माध्यम से माता रानी की आराधना की जा रही है। आयोजन में पुलिस परिवार के बच्चों, महिलाओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सहभागिता रही। पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

अंकिता भंडारी हत्याकांड की आड़ में दुष्यंत कुमार गौतम पर लगाए जा रहे आरोपों एवं अनुसूचित जाति समाज के सम्मान का प्रश्न

न्याय के नाम पर चरित्र हनन स्वीकार नहीं - रविदास समाज

नरेन्द्र कुमार सेन
गरियाबंद द्वारा

आज हम एक अत्यंत गंभीर और संवेदनशील विषय को लेकर है! यह विषय केवल भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता माननीय श्री दुष्यंत कुमार गौतम जी की व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का नहीं है, बल्कि यह न्याय, सामाजिक सम्मान, संवैधानिक मूल्यों और अनुसूचित जाति समाज के प्रति राजनीतिक दलों के व्यवहार से भी जुड़ा हुआ है।

सबसे पहले हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि उत्तराखंड की बेटी अंकिता भंडारी की निर्मम हत्या अत्यंत दुखद और निंदनीय घटना थी।

हम अंकिता भंडारी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं।

हमारा स्पष्ट मत है कि अंकिता भंडारी को न्याय मिलना चाहिए। इस हत्याकांड में जो भी दोषी हैं, उन्हें कानून के अनुसार कठोरतम सजा मिलनी चाहिए।

लेकिन इसी के साथ हमारा एक महत्वपूर्ण प्रश्न है–

क्या न्याय की लड़ाई के नाम पर किसी निर्दोष व्यक्ति की प्रतिष्ठा को राजनीतिक आरोपों से धूमिल करना उचित है?

1. दुष्यंत कुमार गौतम जी पर आरोप लगाने का आधार क्या है?

माननीय दुष्यंत कुमार गौतम जी भारतीय राजनीति के वरिष्ठ नेता हैं और रविदास समाज तथा अनुसूचित जाति समाज से आते हैं।

अंकिता भंडारी हत्याकांड की मूल पुलिस जांच और उपलब्ध आरोपपत्र के संबंध में सामने आई जानकारी के अनुसार दुष्यंत कुमार गौतम जी को इस मामले में आरोपी नहीं बनाया गया था।

ऐसी स्थिति में हमारा सवाल है–जब किसी व्यक्ति के विरुद्ध आरोप लगाया जाता है, तो उसका प्रमाण भी जनता के सामने रखा जाना चाहिए।

हम कांग्रेस के नेताओं से पूछना चाहते हैं कि दुष्यंत कुमार गौतम जी के विरुद्ध उनके पास कौन-से प्रमाण हैं?

यदि कोई ठोस प्रमाण है तो उसे सक्षम जांच एजेंसी के समक्ष प्रस्तुत किया जाए।

यदि प्रमाण नहीं हैं, तो सार्वजनिक रूप से किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाले आरोप लगाने से बचा जाए।

2. अनुसूचित जाति समाज के व्यक्ति के सम्मान पर प्रश्न

दुष्यंत कुमार गौतम जी रविदास समाज और अनुसूचित जाति समाज से आते हैं।

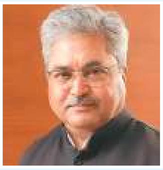

उन्होंने लंबे समय तक सार्वजनिक एवं राजनीतिक जीवन में कार्य किया है।

आज जब अनुसूचित जाति समाज के व्यक्ति को सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां और सम्मान प्राप्त होते हैं, तो यह समाज के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय होता है।

हम कांग्रेस नेतृत्व से पूछना चाहते हैं–

क्या कांग्रेस अनुसूचित जाति समाज के नेतृत्व को उचित सम्मान देने के लिए तैयार है?

क्या राजनीतिक विरोध के लिए किसी व्यक्ति की सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना उचित है?

हम यह भी स्पष्ट करते हैं कि किसी नेता की जाति के आधार पर उसके विरुद्ध राजनीतिक साजिश का निष्कर्ष बिना प्रमाण नहीं निकाला जा सकता। लेकिन अनुसूचित जाति समाज के नेताओं के प्रति किसी भी प्रकार का भेदभावपूर्ण व्यवहार हमारे लिए गंभीर चिंता का विषय है।

3. कांग्रेस से हमारे पांच सीधे सवाल

पहला सवाल- यदि दुष्यंत कुमार गौतम जी के विरुद्ध कोई प्रमाण है, तो कांग्रेस उसे सार्वजनिक करने और जांच एजेंसी को सौंपने से पीछे क्यों रहे?

दूसरा सवाल- क्या किसी व्यक्ति का नाम राजनीतिक आरोपों में आने मात्र से उसे अपराधी मान लेना न्यायसंगत है?

तीसरा सवाल- क्या कांग्रेस यह सुनिश्चित करेगी कि उसके नेता बिना पुष्ट प्रमाण किसी व्यक्ति की सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाले बयान न दें?

चौथा सवाल- क्या कांग्रेस अनुसूचित जाति समाज के नेताओं के सम्मान और गरिमा की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता स्पष्ट करेगी?

पांचवां सवाल- क्या कांग्रेस अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने के लिए निष्पक्ष जांच का समर्थन करेगी और जांच पूरी होने से पहले किसी व्यक्ति को दोषी घोषित करने से बचेगी?4. बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान का सम्मान

भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, गरिमा और न्याय का अधिकार देता है।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी ने जिस संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, वह हमें कानून के शासन और निष्पक्ष न्याय का मार्ग दिखाता है।

हमारा मानना है कि किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध आरोपों का परीक्षण साक्ष्यों और कानून के आधार पर होना चाहिए, न कि राजनीतिक दबाव अथवा सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं के आधार पर।

न्याय का अर्थ है कि दोषी को सजा मिले और किसी निर्दोष व्यक्ति को बिना प्रमाण बदनाम न किया जाए।

5. रविदास समाज की स्पष्ट मांग

हम निम्नलिखित मांगें रखते हैं–1. अंकिता भंडारी हत्याकांड के सभी पहलुओं की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित की जाए।

2. दुष्यंत कुमार गौतम जी के विरुद्ध आरोप लगाने वाले लोग अपने आरोपों के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करें।

3. बिना पुष्ट प्रमाण किसी व्यक्ति को अपराधी के रूप में प्रस्तुत करने से बचा जाए।

4. यदि किसी व्यक्ति ने जानबूझकर झूठे और मानहानिकारक आरोप लगाए हैं, तो उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई हो।

5. सभी राजनीतिक दल अनुसूचित जाति समाज के नेताओं सहित प्रत्येक नागरिक की प्रतिष्ठा और संवैधानिक गरिमा का सम्मान करें।

6. राजनीतिक मतभेदों को जातिगत वैमनस्य अथवा सामाजिक तनाव का रूप न दिया जाए।

6. रविदास समाज का संदेश हम संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के अनुयायी हैं।

गुरु रविदास जी ने समता, मानवता, सामाजिक न्याय और भाईचारे का संदेश दिया।

हम उसी विचारधारा में विश्वास रखते हैं।

हम किसी राजनीतिक दल के विरोधी होने के कारण किसी व्यक्ति के विरुद्ध नहीं हैं। हमारा विरोध बिना प्रमाण लगाए जाने वाले आरोपों, सामाजिक अपमान और अन्यायपूर्ण व्यवहार से है।

हम स्पष्ट करना चाहते हैं–

अंकिता भंडारी को न्याय मिले, यह हमारी मांग है।

दुष्यंत कुमार गौतम जी के विरुद्ध लगाए गए आरोपों की सत्यता प्रमाणों के आधार पर परखी जाए, यह भी हमारी मांग है। हम पीड़ित परिवार के साथ न्याय की लड़ाई का सम्मान करते हैं और प्रत्येक नागरिक के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का समर्थन करते हैं।

7. अंतिम संदेश आज इस मंच से हम कांग्रेस नेतृत्व से आग्रह करते हैं कि राजनीतिक विरोध अवश्य करें, लेकिन गंभीर आपराधिक मामलों में आरोप लगाते समय जिम्मेदारी और प्रमाणों का ध्यान रखें।

हमारी लड़ाई किसी जाति या समुदाय के विरुद्ध नहीं, बल्कि अन्याय और बिना प्रमाण किए जाने वाले चरित्र हनन के विरुद्ध है।

हम न किसी दोषी को बचाने के पक्ष में हैं और न किसी निर्दोष को फंसाने के।

हम न्याय चाहते हैं, सत्य चाहते हैं और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के सम्मान की रक्षा चाहते हैं। जय संत शिरोमणि गुरु रविदास जी!जय बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर! जय संविधान! जय भारत!

बुधेशवर कुमार सोनवानी राष्टीय प्रवक्ता
शिरोमणि गुरु रविदास विश्व महापीठ भारत

सुप्रीम कोर्ट के आवश्यक न्यायिक फैसलों के उजाले

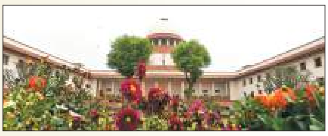

आज देश को ऐसी न्यायिक सक्रियता की आवश्यकता है, जो अन्याय के सामने निर्भीक हो, लेकिन अपने अधिकार क्षेत्र के प्रति सजग भी रहे, जो नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करे, लेकिन राजनीतिक आग्रहों से अप्रभावित रहे, जो संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखे, लेकिन उनकी जवाबदेही को भी सुनिश्चित करे।

लोकतंत्र की मजबूती का वास्तविक प्रमाण केवल चुनावों का नियमित आयोजन, संसद में बहुमत अथवा राजनीतिक दलों की लोकप्रियता नहीं है, बल्कि यह है कि संविधान के सामने सत्ता, विपक्ष और सामान्य नागरिक की स्थिति समान हो। जब सामाजिक न्याय, आरक्षण, धार्मिक स्वतंत्रता और चुनावी निष्पक्षता जैसे प्रश्न एक साथ राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आते हैं, तब सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है। न्यायपालिका वह संवैधानिक संस्था है, जिससे नागरिक यह अपेक्षा करता है कि वह राजनीतिक आग्रहों, सामाजिक दबावों और सत्ता के प्रभाव से मुक्त रहकर न्याय का मार्ग प्रशस्त करेगी। आज आरक्षण की पात्रता और धर्मांतरण से जुड़े विवादों से लेकर निर्वाचन प्रक्रिया तथा न्यायालय की गरिमा तक, अनेक प्रश्न इसी अपेक्षा की कसौटी बनकर सामने हैं। इन प्रश्नों पर विचार करते समय आवश्यक है कि हम न किसी राजनीतिक पक्ष के प्रचारक बनें, न किसी धार्मिक समुदाय के प्रति पूर्वाग्रह रखें, बल्कि संविधान की भावना और न्याय के व्यापक उद्देश्य को केंद्र में रखें। अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण भारतीय संविधान की उन ऐतिहासिक व्यवस्थाओं में है, जिनका उद्देश्य सदियों से चले आ रहे सामाजिक बहिष्कार, अस्पृश्यता और भेदभाव के दुष्परिणामों को दूर करना है। यह केवल रोजगार अथवा शिक्षा में कुछ अतिरिक्त अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था नहीं, बल्कि उस सामाजिक अन्याय के विरुद्ध संवैधानिक हस्तक्षेप है, जिसने बड़ी आबादी को लंबे समय तक समान अवसरों से वंचित रखा। इसलिए आरक्षण और धर्मांतरण के संबंध में होने वाली बहस को भावनाओं, धार्मिक आग्रहों अथवा राजनीतिक आरोपों के बजाय संवैधानिक प्रावधानों और सामाजिक वास्तविकताओं के आधार पर समझना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह स्पष्ट किया जाना एक स्वागत योग्य कदम है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के व्यक्तियों द्वारा धर्मांतरण करने पर उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। तमिलनाडु सरकार द्वारा इसे उच्च न्यायालय में चुनौती देना और अपने राज्य में इस प्रकार की सुविधा जारी रखना कि इस्लाम या ईसाई धर्म अपनाने के बाद भी आरक्षण का लाभ मिलता रहे, वास्तव में सनातन संस्कृति के आरक्षित वर्गों के हितों को कमजोर करने वाला और धर्मांतरण को परोक्ष रूप से बढ़ावा देने वाला कदम था। यह विडंबना ही है कि एक तरफ कुछ संगठन यह दावा करते हैं कि उनके यहां जातिगत भेदभाव का अस्तित्व नहीं है, वहीं दूसरी ओर वे एससी और ओबीसी वर्ग के लोगों को अपने पंथ में आने के बाद भी आरक्षण का लाभ मिलने की पुरजोर वकालत करते हैं। इस प्रकार के दोहरे लाभ और प्रलोभनों के कारण न केवल धर्मांतरण की प्रवृत्ति को बल मिलता है, बल्कि हिंदू समाज को इसका भारी नुकसान उठाना पड़ता है, क्योंकि धर्मांतरित लोग आरक्षण के साथ-साथ अल्पसंख्यक दर्जे के लाभों का भी अनुचित दोहन करने लगते हैं। हालांकि विभिन्न राज्य सरकारें छल-कपट से होने वाले धर्मांतरण के विरुद्ध कड़े कानून बना रही हैं, फिर भी यह समस्या थमने का नाम नहीं ले रही है, जिसका प्रमुख कारण धार्मिक स्वतंत्रता के नाम पर हो रहा इसका दुरुपयोग है। अब समय आ गया है कि इस गंभीर विषय पर केंद्र सरकार और सर्वोच्च न्यायालय मिलकर ठोस और प्रभावी कदम उठाएं ताकि इस दुरुपयोग को रोका जा सके।

इसी व्यापक संवैधानिक परिप्रेक्ष्य में सर्वोच्च न्यायालय का चुनावी प्रक्रिया से जुड़े विवादों पर हस्तक्षेप भी उल्लेखनीय है। 12 अक्टूबर 2026 को राहुल गांधी सहित विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की ओर मार्च किया, इस पर सुप्रीम कोर्ट का सख्त रवैया भी सराहनीय है। भले ही विपक्ष ने मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं, मतदाताओं के नाम हटाए जाने और निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए, इन आरोपों की सत्यता का निर्धारण न्यायिक परीक्षण और संबंधित अभिलेखों के आधार पर होना चाहिए, लोकतंत्र में चुनाव केवल सरकार चुनने का माध्यम नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक को अपनी राजनीतिक इच्छा व्यक्त करने का संवैधानिक अवसर है। इसलिए मतदाता सूची की शुद्धता और विश्वसनीयता किसी एक दल का नहीं, पूरे लोकतंत्र का प्रश्न है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करना एक गलत परम्परा का सूत्रपात है। 15 अक्टूबर को सर्वोच्च न्यायालय ने विपक्षी नेताओं की याचिका पर निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी से जवाब माँगा। इससे स्पष्ट होता है कि निर्वाचन आयोग जैसी महत्त्वपूर्ण संवैधानिक संस्था के निर्णय भी न्यायिक समीक्षा के दायरे में आ सकते हैं। आयोग की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि उसके प्रत्येक निर्णय को प्रश्नों से परे मान लिया जाए। इसी प्रकार, किसी निर्णय से असहमति अपने आप में यह प्रमाणित नहीं करती कि आयोग ने अनुचित कार्य किया है। न्यायिक समीक्षा का उद्देश्य आरोपों और तथ्यों के बीच अंतर स्पष्ट करना, निर्णय प्रक्रिया की वैधानिकता जाँचना तथा नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। इसी घटनाक्रम में सर्वोच्च न्यायालय ने 12 अक्टूबर के मार्च को लेकर राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अन्य संबंधित नेताओं से भी जवाब माँगा।

अतिथि संपादक - ललित गर्ग

साइबर अपराधों पर कार्रवाई के साथ रोकथाम पर जोर

छत्तीसगढ़ पुलिस जनजागरूकता से बना रही सुरक्षा का मजबूत आधार

डिजिटल तकनीक के विस्तार ने आम नागरिकों के जीवन को जितना सुविधाजनक बनाया है, साइबर अपराधों ने उतनी ही नई चुनौतियां भी खड़ी की हैं। मोबाइल बैंकिंग, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया और इंटरनेट आधारित सेवाएं अब शहरों से लेकर गांवों तक दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं। इसके साथ ही ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, फर्जी निवेश, डिजिटल अरेस्ट और व्यक्तिगत जानकारियों के दुरुपयोग जैसे अपराधों के तरीके भी लगातार बदल रहे हैं। इन परिस्थितियों में साइबर अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई जितनी आवश्यक है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है नागरिकों को पहले से इतना जागरूक बनाना कि वे धोखाधड़ी के प्रयासों को पहचान सकें और अपराध का शिकार होने से बच सकें। छत्तीसगढ़ में साइबर सुरक्षा को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली में इसी सोच को विशेष महत्व दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन और उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ पुलिस साइबर अपराधों के विरुद्ध कार्रवाई के साथ उनकी रोकथाम के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित कर रही है। इसका उद्देश्य केवल अपराधियों को पकड़ना नहीं, बल्कि नागरिकों को साइबर अपराधों के तौर-तरीकों से परिचित कराकर उन्हें डिजिटल रूप से सुरक्षित और सतर्क बनाना भी है। पुलिस का प्रयास है कि साइबर सुरक्षा की जानकारी समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे, ताकि नागरिक स्वयं अपनी सुरक्षा करने के साथ दूसरों को भी जागरूक कर सकें।

विशेष लेख : साइबर अपराधों पर कार्रवाई के साथ रोकथाम पर जोर, छत्तीसगढ़ पुलिस जनजागरूकता से बना रही सुरक्षा का मजबूत आधार

अपराध होने से पहले नागरिकों को सतर्क करने की पहल, गांवों से शहरों तक पहुंच रहा साइबर सुरक्षा का संदेश

'अपराध होने से पहले रोकथाम की दिशा में व्यापक पहल'

छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 2 अक्टूबर 2026 तक संचालित सात सप्ताह का विशेष साइबर जागृति अभियान इसी दृष्टिकोण का उदाहरण है। प्रदेश की 34 पुलिस इकाइयों के माध्यम से चलाए गए इस अभियान में 5 लाख से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए और 1 करोड़ 70 लाख से अधिक नागरिकों तक सीधे साइबर सुरक्षा का संदेश पहुंचाया गया। अभियान में 5.5 लाख से अधिक जागरूकता सेल्फी के माध्यम से नागरिकों की सहभागिता भी दर्ज की गई।

'साइबर अपराधों के नए तरीकों की दी जानकारी'

इस अभियान की विशेषता इसकी व्यापक पहुंच और स्थानीय सहभागिता रही। पुलिस ने जागरूकता कार्यक्रमों को केवल शहरों और शैक्षणिक संस्थानों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि ग्राम पंचायतों, ग्राम सभाओं, हाट-बाजारों, धार्मिक आयोजनों और सार्वजनिक स्थलों तक पहुंचकर लोगों से सीधा संवाद किया। विद्यार्थियों, महिलाओं, ग्रामीणों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों को साइबर अपराधों के नए तरीकों की जानकारी दी गई।

'नकली निवेश योजनाओं और बैंकिंग धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए गए'

अभियान को सात विषय आधारित सप्ताहों में संचालित किया गया। इनमें डिजिटल सुरक्षा, यूपीआई एवं ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट, महिलाओं की ऑनलाइन सुरक्षा, रोजगार संबंधी ठगी, डेटा गोपनीयता और सामूहिक साइबर सुरक्षा संकल्प जैसे विषय शामिल रहे। नागरिकों को संदिग्ध लिंक, फर्जी कॉल, नकली निवेश योजनाओं और बैंकिंग धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए गए। साथ ही ओटीपी, पासवर्ड और यूपीआई पिन जैसी गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने तथा डिजिटल अरेस्ट के नाम पर धमकाने वालों से सावधान रहने के लिए जागरूक किया गया। यह प्रयास इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि साइबर अपराधों में कई बार अपराधी तकनीकी कमजोरियों से अधिक नागरिकों की जानकारी के अभाव और भय का लाभ उठाते हैं। ऐसे में समय रहते सही जानकारी मिलना किसी व्यक्ति को आर्थिक नुकसान और मानसिक परेशानी से बचा सकता है।

'स्थानीय नवाचारों से गांवों और परिवारों तक पहुंची साइबर जागरूकता'

साइबर जागृति अभियान में विभिन्न जिलों ने स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप ऐसे नवाचार किए, जिनसे जागरूकता का संदेश सीधे समुदायों तक पहुंचा। मुंगेली जिले में ग्राम पंचायतों और विशेष ग्राम सभाओं के माध्यम से लगभग 15 हजार ग्रामीणों को साइबर सुरक्षा की जानकारी दी गई। गरियाबंद में मितानिनों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और स्व-सहायता समूहों की लगभग 493 महिलाओं को जागरूक कर उनके माध्यम से परिवारों तक संदेश पहुंचाने की पहल की गई। दुर्ग जिले में सुरक्षित दुर्ग, साइबर जागरूक दुर्ग अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटकों और अन्य गतिविधियों के माध्यम से 15 हजार से अधिक नागरिकों को जागरूक किया। जांजगीर-चांपा में एक राखी साइबर जागृति के नाम अभियान से लगभग 1 लाख 61 हजार लोगों तक संदेश पहुंचा। बिलासपुर में आकाशवाणी के लाइव फोन-इन कार्यक्रम के माध्यम से लगभग आठ लाख श्रोताओं को साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी मिली।

कोंडागांव में साइबर चेतना रथ, रायपुर में बिजली बिलों के माध्यम से साइबर ठगी संबंधी चेतावनी संदेश और रायगढ़ में लघु फिल्म प्रतियोगिता जैसे प्रयासों ने जागरूकता के नए माध्यम विकसित किए। इन पहलों से यह स्पष्ट हुआ कि साइबर सुरक्षा की जानकारी को स्थानीय परंपराओं, सामाजिक गतिविधियों और दैनिक जीवन से जोड़कर अधिक लोगों तक पहुंचाया जा सकता है। विशेष रूप से महिलाओं, विद्यार्थियों और ग्रामीण समुदायों की भागीदारी ने अभियान को व्यापक स्वरूप दिया। इससे जागरूकता का संदेश केवल कार्यक्रम में उपस्थित व्यक्तियों तक सीमित न रहकर उनके परिवारों और आसपास के लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

राष्ट्र सेवा के संकल्प के साथ संघ की शताब्दी यात्रा

आचार्य ललित मुनि
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं लोक संस्कृति के अध्येता हैं

किसी भी राष्ट्र के जीवन में एक सदी का कालखंड केवल समय का एक पड़ाव नहीं होता, बल्कि वह उस समाज के सामूहिक संस्कारों, वैचारिक दृढ़ता और निरंतर तपस्या का जीवंत दस्तावेज होता है। वर्ष 1925 की विजयादशमी के पावन दिन नागपुर की धरती पर डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा बोया गया बीज आज सौ वर्षों की लंबी और देदीप्यमान यात्रा पूरी कर चुका है। आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे कर चुका है। यह यात्रा केवल एक संगठन के विस्तार की कहानी नहीं है, बल्कि यह एक ऐसे सांस्कृतिक संकल्प का इतिहास है जिसने करोड़ों दिलों में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को प्रज्वलित किया है। जब संघ की स्थापना हुई थी, तब देश विदेशी शासन की परतंत्रता की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और समाज विभिन्न कुप्रथाओं, जातियों और संकीर्णताओं में बंटा हुआ था। ऐसे नाजुक दौर में डॉ. हेडगेवार ने यह गहराई से महसूस किया कि केवल राजनीतिक स्वतंत्रता से समाज की वास्तविक मुक्ति संभव नहीं है। जब तक देश का नागरिक मानसिक रूप से सशक्त, अनुशासित और राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत नहीं होगा, तब तक स्वतंत्रता सुरक्षित नहीं रह सकती।

यहीं से 'व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण' का वह मौलिक विचार जन्मा, जिसने संघ की पूरी कार्यपद्धति को गढ़ा। नागपुर की एक छोटी सी शाखा से शुरू हुआ यह सफर आज दुनिया के सबसे बड़ा सांस्कृतिक और सामाजिक संगठन बन चुका है। शाखा का वह मैदान कोई साधारण खेल का मैदान नहीं, बल्कि एक ऐसी प्रयोगशाला है जहाँ "मैं से हम" की यात्रा तय होती है। वहाँ न कोई छोटा होता है, न बड़ा; सब भगवा ध्वज के समक्ष समान भाव से खड़े होकर देश के लिए समर्पण का संकल्प लेते हैं। संघ की सौ साल की यह यात्रा इस बात की साक्षी है कि जब भी देश पर कोई प्राकृतिक आपदा या राष्ट्रीय संकट आया, स्वयंसेवक सबसे पहले कतार में खड़े मिले। चाहे बाढ़, सूखा, भूकंप जैसी महाविपत्तियां हों या देश के विभाजन का वह दर्दनाक और खौफनाक दौर, स्वयंसेवकों ने बिना किसी स्वार्थ या प्रचार की इच्छा के राहत और बचाव कार्य में अपनी पूरी ताकत झोंक दी। इतिहास के पन्नों में यह बात दर्ज है कि आपातकाल के काले दिनों में लोकतंत्र की रक्षा के लिए जिन्होंने सबसे कड़ा संघर्ष किया, उनमें भी संघ के स्वयंसेवक अग्रणी रहे। इसके अलावा, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए कठिन परिस्थितियों में हर पीड़ित के आंसू पोंछने का काम संघ की कार्यसंस्कृति का अहम हिस्सा रहा है। यह सेवा भाव किसी दिखावे के लिए नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के उस मूल मंत्र पर आधारित है जो 'वसुधैव कुटुंबकम्' और 'नराः नारायणः' की सीख देता है।

जब संघ ने अपनी यात्रा के सौ वर्ष पूरे किए, तो यह केवल उत्सव मनाने का समय नहीं था, बल्कि भविष्य के भारत की रूपरेखा तय करने का अवसर था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ऐतिहासिक अवसर पर संघ के शताब्दी समारोहों से जुड़ते हुए इसके राष्ट्रव्यापी योगदान को न केवल सराहा, बल्कि सौ साल के इस सफर को अनुशासन और राष्ट्रसेवा की मिसाल बताया। इस अवसर पर देश भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ और समाज को जोड़ने के नए आयाम रचे गए।

शताब्दी के इस पड़ाव पर संघ ने समाज के सामने कुछ ऐसे महत्वपूर्ण लक्ष्य रखे हैं जिन्हें 'पंच परिवर्तन' कहा गया है

1-**सामाजिक समरसता**- समाज से छुआछूत, ऊंच-नीच और वैमनस्य को पूरी तरह मिटाकर एक समतावादी और एकजुट समाज की स्थापना करना।

2-**कुटुंब प्रबोधन**- आज के आधुनिक और यंत्रवत दौर में टूटते जा रहे पारिवारिक मूल्यों को बचाना, बच्चों में संस्कार सींचना और परिवार को एक मजबूत भावनात्मक केंद्र बनाना।

3-**पर्यावरण संरक्षण**- प्रकृति के दोहन के बजाय उसका संवर्धन करना, जल संरक्षण, पौधे लगाना और प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाना ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ धरती मिल सके।

4-**स्वदेशी आचरण**- अपनी स्थानीय कलाओं, उत्पादों और कारीगरों का सम्मान करते हुए आर्थिक स्वावलंबन की ओर बढ़ना।

5-**नागरिक कर्तव्य**- अधिकारों की मांग के साथ-साथ देश के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठा से पालन करना, जैसे यातायात नियमों का पालन, स्वच्छता और देश के कानूनों का सम्मान।

आज भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र है, लेकिन वैचारिक रूप से अभी भी कई मायनों में औपनिवेशिक मानसिकता की जंजीरें पूरी तरह टूटी नहीं हैं। संघ का शताब्दी वर्ष इस बात पर विशेष जोर देता है कि हमें अपनी भाषा, अपनी वेशभूषा, अपने इतिहास और अपनी जीवनशैली पर गर्व करना चाहिए। जब तक हम अपनी जड़ों से नहीं जुड़ेंगे, तब तक एक आत्मनिर्भर और शक्तिशाली भारत का सपना पूरा नहीं हो सकता।

संस्कृति केवल इतिहास के पन्नों में दर्ज कोई प्राचीन वस्तु नहीं है, बल्कि यह वह जीवंत ऊर्जा है जो वर्तमान को दिशा देती है और भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है। संघ ने इन सौ वर्षों में इसी सांस्कृतिक चेतना को जन-जन तक पहुँचाने का ऐतिहासिक कार्य किया है सौ वर्षों की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि यदि विचार पवित्र हो, नीयत साफ हो और समर्पण निस्वार्थ हो, तो समय की बड़ी से बड़ी बाधाएं भी स्वतः दूर हो जाती हैं। आज जब संघ अपने दूसरे सौवें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, तो उसके सामने चुनौतियां भी हैं और अनंत संभावनाएं भी। यह समय केवल अतीत की उपलब्धियों पर पीठ थपथपाने का नहीं, बल्कि आने वाले कल के भारत को अधिक समर्थ, सुरक्षित, स्वावलंबी और सुसंस्कृत बनाने के लिए नए सिरे से कमर कसने का है। राष्ट्र सेवा का जो दीप डॉ. हेडगेवार और उनके सहयोगियों ने जलाया था, आज वह करोड़ों हाथों की श्रृंखला से एक विशाल प्रखर आदित्य बन चुका है। यह शताब्दी यात्रा हमें यह याद दिलाती है कि देश सेवा कोई अंशकालिक कार्य नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक शाश्वत मार्ग है।

नए रेल कॉरिडोर से माल ढुलाई, औद्योगिक कनेक्टिविटी और आदिवासी अंचलों के विकास को मिलेगी गति

रेल नेटवर्क के विस्तार से बदल रही छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी

धनंजय राठौर
संयुक्त संचालक, जनसंपर्क संचालनालय, रायपुर

छत्तीसगढ़ में आधारभूत रेल अधोसंरचना का तेजी से विकास हो रहा है, जिसका लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक नागरिक तक पहुंच रहा है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित रेलवे स्टेशनों के विकसित होने से यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा। बेहतर प्रतीक्षालय, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, स्वच्छ परिसर, आधुनिक यात्री सुविधाएं तथा उन्नत अधोसंरचना से आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण रेल सेवाएं उपलब्ध होंगी।

प्रदेश में 51 हजार 80 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम जारी

देश के प्रमुख औद्योगिक और खनिज उत्पादक राज्यों में शामिल छत्तीसगढ़ में रेलवे नेटवर्क का विस्तार अब राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की जरूरतों से जुड़ रहा है। वर्तमान में प्रदेश में 51,080 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। छत्तीसगढ़ मध्य भारत का महत्वपूर्ण औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स केंद्र है। ऐसे में मजबूत रेल नेटवर्क प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा। रेलवे के विकास से उद्योगों की परिवहन लागत कम होगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती मिलेगी, किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध होंगे तथा युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री श्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। प्रदेश में नई रेल परियोजनाओं, दोहरीकरण, विद्युतीकरण तथा आधुनिक रेलवे सुविधाओं के विस्तार से विकास को नई दिशा मिल रही है। यह परिवर्तन विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को और अधिक मजबूत करेगा। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास से छत्तीसगढ़ में रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राज्य के रेलवे बजट का आवंटन बढ़ाकर 7,470 करोड़ रुपये कर दिया है जो वर्ष 2009-14 के दौरान औसतन 311 करोड़ रुपये सालाना था। इस तरह वार्षिक औसत आवंटन में करीब 24 गुना वृद्धि हुई है। इस निवेश का प्रमुख उद्देश्य व्यस्त रेल मार्गों पर दबाव कम करना, खनिज और औद्योगिक माल की आवाजाही बढ़ाना तथा उन क्षेत्रों तक रेल संपर्क पहुंचाना है, जहां अब तक कनेक्टिविटी सीमित रही है।

राष्ट्रीय माल ढुलाई को मिलेगा वैकल्पिक रेल मार्ग

छत्तीसगढ़ की रेल रणनीति में खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा रेल कॉरिडोर महत्वपूर्ण है। करीब 278 किलोमीटर लंबे इस मार्ग को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अप्रैल 2025 में मंजूर दी थी। तब इस परियोजना की लागत 8,741 करोड़ रुपये अनुमानित थी। बाद में इसमें संशोधन किया गया और इसकी अनुमानित लागत 7,854 करोड़ रुपये कर दी गई। इस परियोजना का उद्देश्य बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग के व्यस्त रेल खंडों को बाईपास कर माल और यात्री ट्रेनों के लिए अतिरिक्त रेल लाईन बिछाना है। इस कॉरिडोर से कोलकाता-मुंबई रेल मार्ग पर परिचालन का दबाव कम करने और बलौदाबाजार सहित नए औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क देने की योजना है। इससे कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट और बिजली उत्पादन से जुड़े उद्योगों के लिए माल ढुलाई की क्षमता बढ़ेगी और सड़क मार्ग पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।साथ ही, मालगाड़ियों की आवाजाही सुगम होने से औद्योगिक इकाइयों को बाजारों तथा बंदरगाहों तक आसानी से पहुंचने में मदद मिलेगी।

प्रदेश में 51 हजार 80 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम जारी

बस्तर की कनेक्टिविटी होगी मजबूत

रेल नेटवर्क के विस्तार का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू बस्तर की कनेक्टिविटी है। रावघाट-जगदलपुर (140 किमी)की महत्वपूर्ण रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है। जबकि किरंदुल-कोत्तागुडेम (180 किमी) तथा गढ़चिरौली-बीजापुर-किरंदुल (बचेली) की 490 किलोमीटर नई रेल लाइन परियोजना का सर्वे कार्य प्रगति पर। दल्लीराजहरा-रावघाट रेल परियोजना के तहत दल्लीराजहरा से अंतागढ़ (77 किमी) तक रेल सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। इस रेलखंड पर यात्री रेल सेवा प्रारंभ होने से हजारों ग्रामीण पहली बार रेल नेटवर्क से जुड़े हैं। इस परियोजना के अगले चरण में रावघाट तक संपर्क विकसित करने का काम चल रहा है। परियोजना पूरी होने पर रावघाट की लौह अयस्क खदानें सीधे भिलाई इस्पात संयंत्र से जुड़ जाएंगी, जिससे उद्योगों और स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों को नई मजबूती मिलेगी। वहीं कोत्तावलसा-किरंदुल रेल लाइन के दोहरीकरण से बस्तर क्षेत्र में माल एवं यात्री परिवहन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

कटघोरा से डोंगरगढ़ तक नए संपर्क की योजना

प्रस्तावित कटघोरा-डोंगरगढ़ रेल लाइन की लंबाई करीब 295 किलोमीटर है। यह मार्ग कटघोरा से करतला, मुंगेली, कवर्धा और खैरागढ़ होते हुए डोंगरगढ़ तक प्रस्तावित है। परियोजना को रेल मंत्रालय और छत्तीसगढ़ सरकार के संयुक्त उपक्रम के माध्यम से विकसित करने की योजना है। इसके लिए स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी) गठित करने का प्रस्ताव है। इस रेल लाइन का महत्व उन क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने में है, जहां अभी रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है या सीमित है। इससे यात्रियों की आवाजाही, कृषि उत्पादों के परिवहन, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

उत्तर छत्तीसगढ़ के लिए भी नई परियोजनाएं

सरडेगा-पत्थलगांव-अंबिकापुर (244 किलोमीटर), धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा (301 किलोमीटर) और अंबिकापुर-बरवाडीह (200 किलोमीटर) रेल कॉरिडोर को भी रेल मंत्रालय द्वारा जल्दी ही मंजूर किए जाने की संभावना है। अगस्त 2026 में इन प्रस्तावों पर जल्दी निर्णय और सर्वेक्षण की प्रक्रिया तेज करने का मुद्दा उठाया गया था। इन परियोजनाओं से उत्तर छत्तीसगढ़ सहित सीमावर्ती क्षेत्रों की रेल संपर्क व्यवस्था मजबूती होगी तथा व्यापार, पर्यटन, खनिज परिवहन और स्थानीय रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

स्टेशनों का आधुनिकीकरण

छत्तीसगढ़ में नई रेल लाइनों के साथ मौजूदा नेटवर्क और स्टेशनों को आधुनिक बनाने पर भी काम किया जा रहा है। राज्य सरकार के अनुसार, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 32 रेलवे स्टेशनों को करीब 1,680 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य यात्रियों के लिए सुविधाएं बेहतर करना और स्टेशन परिसरों को अधिक व्यवस्थित बनाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में रेल अधोसंरचना का व्यापक आधुनिकीकरण हो रहा है और इसका प्रत्यक्ष लाभ छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के चांपा, बालोद एवं सरोना रेलवे स्टेशनों का प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल लोकार्पण प्रदेश के रेल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस जनहितकारी पहल के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रेलवे केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास का सशक्त आधार है। चांपा, बालोद और सरोना जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों के उन्नयन से व्यापार, पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था तथा क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। इससे लोगों के लिए आवागमन अधिक सुगम होगा और रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक पहुँचेगी रेल, छत्तीसगढ़ के विकास में जुड़ेगा नया ऐतिहासिक अध्याय -मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय की उपस्थिति में 20 अक्टूबर को ताड़ोकी - रावघाट एवं अभनपुर - कुरूद ब्रॉडगेज रेल लाइन का होगा उद्घाटन

रायपुर / छत्तीसगढ़ के रेल इतिहास में 20 अक्टूबर का दिन एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में दर्ज होने जा रहा है। आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक रेल पहुँचेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में ताड़ोकी - रावघाट रेल लाइन एवं अभनपुर - कुरूद ब्रॉडगेज रेल लाइन का उद्घाटन किया जाएगा। इस अवसर पर रावघाट - रायपुर एवं रायपुर - कुरूद नई यात्री रेल सेवाओं का शुभारंभ तथा रायपुर में इलेक्ट्रिक रेल इंजन मेंटेनेंस फैसिलिटी का शिलान्यास भी होगा। केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्र म में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि रावघाट तक रेल पहुँचना केवल रेल नेटवर्क का विस्तार नहीं, बल्कि बस्तर और दक्षिण छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों को विकास की नई संभावनाओं से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण कदम है। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, व्यापार और आवागमन की सुविधाओं का विस्तार होगा तथा क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के दूरस्थ अंचलों तक तेजी से पहुँच रही आधुनिक रेल सुविधाएँ : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। डबल इंजन सरकार का संकल्प है कि प्रदेश के दूरस्थ और जनजातीय अंचलों तक भी आधुनिक परिवहन सुविधाएँ पहुँचें और विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हो।

रावघाट तक रेल – बस्तर के विकास को नई रफ्तार

दल्लीराझरा से रावघाट के मध्य लगभग 1,628 करोड़ रुपए की लागत से 95 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन का कार्य पूर्ण किया गया है। ताड़ोकी से रावघाट के बीच 17.5 किलोमीटर रेल लाइन का निर्माण पूरा होने के साथ ही यह महत्वपूर्ण परियोजना पूर्ण हो गई है।

रावघाट - रायपुर एवं रायपुर - कुरूद नई यात्री रेल सेवाओं का होगा शुभारंभ, रायपुर में इलेक्ट्रिक रेल इंजन मेंटेनेंस फैसिलिटी का शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने कहा - रावघाट तक रेल पहुँचने से बस्तर अंचल में विकास, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को मिलेगी नई गति

रावघाट तक रेल संपर्क स्थापित होने से क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और व्यापार के अवसरों तक पहुँच आसान होगी। इससे औद्योगिक एवं आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। रावघाट क्षेत्र के लौह अयस्क के परिवहन और भिलाई इस्पात संयंत्र सहित देश के इस्पात उद्योग की आवश्यकताओं की दृष्टि से भी यह रेल संपर्क महत्वपूर्ण होगा।

अभनपुर – कुरूद ब्रॉडगेज लाइन से राजधानी तक आवागमन होगा सुगम

अभनपुर - धमतरी गेज परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत अभनपुर से कुरूद के बीच 22 किलोमीटर रेल लाइन का गेज परिवर्तन कार्य पूरा हो गया है। इसके उद्घाटन से क्षेत्र में रेल संपर्क का विस्तार होगा और यात्रियों को राजधानी रायपुर तक बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी। परियोजना के शेष कुरूद- धमतरी सेक्शन में कार्य प्रगति पर है।

रावघाट - रायपुर एवं रायपुर - कुरूद नई यात्री रेल सेवाओं के शुरू होने से विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, किसानों, व्यापारियों और आम यात्रियों को सीधी रेल कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा। इससे शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार, कृषि और पर्यटन से जुड़ी गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

रायपुर में विकसित होगी आधुनिक रेल इंजन मेंटेनेंस सुविधा

रायपुर में इलेक्ट्रिक रेल इंजन मेंटेनेंस फैसिलिटी का भी शिलान्यास किया जाएगा। इस आधुनिक सुविधा के विकसित होने पर भविष्य में 300 हाई हॉर्सपावर इलेक्ट्रिक रेल इंजनों के रखरखाव की क्षमता विकसित होगी। इससे रेल परिचालन को अधिक सुचारु बनाने और बढ़ती माल परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नई रेल लाइनें, यात्री सेवाएँ और आधुनिक रेल अधोसंरचना छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा को नई गति देंगी। रावघाट तक रेल की सीटी अब केवल यात्रा की शुरुआत नहीं, बल्कि बस्तर में विकास, विश्वास और नई संभावनाओं के एक नए दौर का प्रारम्भ है।

नक्सलवाद से मिले घावों पर मरहम लगाकर हर पीड़ित को सम्मानपूर्ण जीवन देना हमारा संकल्प : केंद्रीय गृह मंत्री

नक्सलमुक्त बस्तर को अब तेज गति से विकास और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

रायपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा है कि नक्सलवाद समाप्त होने के बाद अब उससे मिले घावों पर मरहम लगाना, पीड़ितों का पुनर्वास करना और उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने के अवसर उपलब्ध कराना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। नक्सलवाद ने पाँच दशकों तक बस्तर के गरीब और आदिवासी परिवारों को गहरी पीड़ा दी है। अब हमें नक्सलवाद की हर निशानी मिटाकर बस्तर को फिर से हँसता-खेलता, खुशहाल और समृद्ध बनाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार प्रत्येक दिव्यांगजन और नक्सली हिंसा से प्रभावित व्यक्ति के पुनर्वास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस संकल्प को पूरा करने में भारत सरकार छत्तीसगढ़ सरकार के साथ चट्टान की तरह खड़ी है।

नक्सलवाद से मिले घावों पर मरहम लगाकर हर पीड़ित को सम्मानपूर्ण जीवन देना हमारा संकल्प

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप में सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संचालित 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत दंतेवाड़ा में आयोजित निःशुल्क दिव्यांगजन कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शिविर के दूसरे चरण का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

दंतेवाड़ा में 15 से 17 अक्टूबर तक आयोजित तीन दिवसीय शिविर में दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिलों के कुल 768 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं विभिन्न सहायक उपकरणों से लाभान्वित किया जाएगा। इनमें दंतेवाड़ा जिले के 509, बीजापुर के 197 और सुकमा के 62 दिव्यांगजन शामिल हैं। शिविर का आयोजन भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर तथा सहयोगी संस्थाओं के सहयोग से किया जा रहा है।

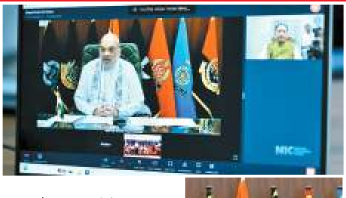

नक्सलवाद समाप्त हुआ, अब उसकी पीड़ा और निशानियों को भी मिटाना है : श्री अमित शाह*

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में सेवा संकल्प अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ में नक्सली हिंसा से प्रभावित दिव्यांग आदिवासी भाई-बहनों को कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण प्रदान कर उनके जीवन को सुगम बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 5 से 7 अक्टूबर 2026 के दौरान जगदलपुर में आयोजित शिविर में 3,600 से अधिक दिव्यांगजन लाभान्वित हुए थे। इनमें अकेले बस्तर के 1,570 से अधिक लाभार्थी थे। यह संख्या बस्तर की उस पीड़ा का परिचय देती है, जिसे यहाँ के गरीब और आदिवासी परिवारों ने दशकों तक सहन किया है।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि नक्सलियों ने आईईडी विस्फोटों के माध्यम से निर्दोष नागरिकों को दिव्यांग बनाया। इससे बड़ा मानवाधिकारों का हनन कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 31 मार्च 2026 से पहले देश से नक्सलवाद समाप्त करने का दृढ़ संकल्प लिया था और आज नक्सलवाद समाप्त हो चुका है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि केवल नक्सलवाद समाप्त कर देने से पाँच दशकों की पीड़ा समाप्त नहीं होगी। हमें इन घावों पर मरहम लगाना होगा। नक्सली हिंसा से प्रभावित लोगों को फिर से अपने पैरों पर खड़ा करना होगा और उनके सम्मानपूर्वक जीवनयापन की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

उन्होंने कहा कि दिव्यांग भाई-बहनों को व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, बैसाखी, श्रवण यंत्र, स्मार्ट वॉकिंग स्टिक और कृत्रिम अंग जैसे उपकरण उपलब्ध कराकर उनके जीवन में नई खुशियाँ लाई जा सकती हैं। इस सेवा कार्य में छत्तीसगढ़ सरकार, जिला प्रशासन, समाज कल्याण विभाग, भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर और भारतीय जैन संघ सहित अनेक संस्थाओं का महत्वपूर्ण योगदान है।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने बस्तर के पारंपरिक जनजातीय नेतृत्व के सहयोग की भी सराहना करते हुए कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष और बस्तर में सकारात्मक परिवर्तन लाने के प्रयासों में स्थानीय जनजातीय समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के निर्देशन पर बेमेतरा पुलिस की अवैध गतिविधियों पर लगातार कार्यवाही जारी

साइबर सेल एवं चौकी कंडरका पुलिस टीम की संयुक्त कार्यवाही

बेमेतरा। पुलिस अधीक्षक (SP) श्री त्रिलोक बंसल (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव, एसडीओपी बेमेतरा श्री भुषण एक्का, एसडीओपी बेरला श्रीमती रूचि वर्मा के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थो, जुआ, सट्टा सहित अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों में लिप्त अपराधियों पर लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में सायबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा एवं चौकी प्रभारी कंडरका प्रशिक्षु उप निरीक्षक गीतांजली, उप निरीक्षक डी.एल. सोना, सहायक उप निरीक्षक संतोष धुर्वे, साइबर सेल एवं चौकी कंडरका पुलिस टीम ने आबकारी एक्ट के 01 प्रकरण में 01 आरोपी विनोद कुमार भारती पिता मदनलाल भारती उम्र 30 वर्ष, निवासी भरदा, पुलिस चौकी कंडरका थाना बेरला जिला बेमेतरा के कब्जे से 39 पौवा मसाला शराब (7,020ml), कीमती लगभग 3,900/- रूपये, परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल सीजी 04 पीएन 4240, कीमती 50,000/- रूपये, कुल जुमला कीमती लगभग 53,900/- रूपये को जप्त कर धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई हैं। 19 अक्टूबर 2026 को चौकी कंडरका पुलिस टीम को जरिये मुखबिर से सूचना मिला कि ग्राम सरदा खर्रा सोरला चौक होते हुए ग्राम भरदा निवासी विनोद कुमार भारती अपने मोटर सायकल क्रमांक सीजी 04 पीएन 4240 में रखकर एक सफेद बोरी में काफी मात्रा में देशी मशाला शराब लेकर ग्राम भरदा की ओर आ रहा है कि सूचना के अधार पर साइबर सेल एवं चौकी पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंच कर आरोपी को अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री हेतु परिवहन करते पकड़ा गया। जिसमें चौकी कंडरका, थाना बेरला के 01 प्रकरण में 01 आरोपी विनोद कुमार भारती पिता मदनलाल भारती उम्र 30 वर्ष, निवासी भरदा, पुलिस चौकी कंडरका थाना बेरला जिला बेमेतरा के कब्जे से 39 पौवा मसाला शराब (7,020ml), कीमती लगभग 3,900/- रूपये, परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल सीजी 04 पीएन 4240, कीमती 50,000/- रूपये, कुल जुमला कीमती लगभग 53,900/- रूपये को जप्त कर धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई हैं। इस संपूर्ण कार्रवाई में साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, चौकी प्रभारी कंडरका प्रशिक्षु उप निरीक्षक गीतांजली, उप निरीक्षक डी.एल. सोना, सहायक उप निरीक्षक संतोष धुर्वे, साइबर सेल से प्रधान आरक्षक भुषण ठाकुर, आरक्षक संजय पाटिल, इंद्रजीत पांडेय, नुरेश वर्मा, चौकी कंडरका से आरक्षक योगेश साहू, प्रदीप कौशल सहित साइबर सेल व थाना नवागढ के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

आबकारी एक्ट के तहत 39 पौवा मसाला शराब (7,020ml), परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल जुमला कीमती लगभग 53,900/- रूपये सहित एक आरोपी गिरफ्तार

किसानों की खुशहाली और समृद्धि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता- मुख्यमंत्री

नुआखाई हमारी कृषि संस्कृति, अन्नदाता के परिश्रम और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का पर्व : मुख्यमंत्री

रायपुर / मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि किसानों की खुशहाली और समृद्धि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था और संस्कृति के केंद्र में हमारे अन्नदाता हैं। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि सुशासन और जनसेवा के माध्यम से विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और छत्तीसगढ़ का प्रत्येक परिवार प्रदेश की विकास यात्रा में सहभागी बने। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज रायगढ़ के शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी स्टेडियम में आयोजित कोलता समाज के नुआखाई भेंटघाट एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री साय का समाजजनों ने पारंपरिक गजमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने माँ रणेश्वरी रामचण्डी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ग्राम कोतरलिया के चंडी डोंगरी में सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए 30 लाख रुपए तथा नगर पंचायत पुसौर में कोलता समाज के मंगल भवन के निर्माण के लिए 50 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने बाउंड्रीवॉल निर्माण की भी घोषणा की।

नुआखाई अन्नदाता के परिश्रम और नई फसल की खुशियों का पर्व

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कोलता समाज सहित सभी प्रदेशवासियों को नुआखाई पर्व की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि नुआखाई हमारी समृद्ध कृषि संस्कृति से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। यह नई फसल के स्वागत, अन्नदाता के परिश्रम के सम्मान और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का उत्सव है। ऐसे पर्व हमारी परंपराओं को जीवंत रखने के साथ नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और जड़ों से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान प्रदेश है और हमारी सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों को उनकी मेहनत का उचित प्रतिफल मिले, खेती की लागत कम हो, सिंचाई की सुविधा बढ़े और कृषि के माध्यम से परिवारों में समृद्धि आए, इसी सोच के साथ सरकार लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रायगढ़ अंचल के किसानों के खेतों तक सिंचाई का पानी पहुँचाने के लिए केलो परियोजना का कार्य प्रारंभ किया गया है। यह परियोजना क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान सिद्ध होगी। सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से खेती की उत्पादकता बढ़ेगी और किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी।

नवरात्रि पर विधायक दीपेश साहू ने विभिन्न ग्रामों एवं धार्मिक स्थलों में माँ दुर्गा की पूजा-अर्चना कर लिया आशीर्वाद

जस गीतों में शामिल होकर हुए भक्तिमय

बेमेतरा । शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री दीपेश साहू ने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों एवं धार्मिक स्थलों में पहुँचकर माँ दुर्गा के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की और क्षेत्रवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

विधायक श्री साहू ने ग्राम तिवरैया में माता रानी के दर्शन कर माता सेवा जस गीत में शामिल होकर भक्तिमय वातावरण में अपनी सहभागिता दी। ग्राम झलमला में विभिन्न दुर्गा पंडालों में दर्शन के साथ-साथ श्री निरंजन यादव जी के निवास पर आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण कथा में सम्मिलित होकर कथा श्रवण किया।

इसी क्रम में ग्राम रांका में माँ महामाया मंदिर सहित विभिन्न दुर्गा पंडालों, ग्राम खम्हरिया एम एवं छिराही में विराजमान माँ दुर्गा, ग्राम दरगांव में रावण चौक, बाजार पारा, श्री सिद्ध पीठ माँ महामाया मंदिर, राम मंदिर चौक और गौटिया पारा वार्ड-06, ग्राम खजरी में नवदुर्गा उत्सव मित्र मंडल, ग्राम माटरा में राजेश साहू, रोमा लाल साहू, रोहित साहू के निवास पर जवारा दर्शन, नगर पंचायत भीमभौरी के बाजार चौक एवं शेरा चौक तथा अकोली पंचायत के आश्रित ग्राम कोटा में माता रानी की पूजा-अर्चना कर जस गीतों में शामिल हुए।

इस अवसर पर विधायक श्री दीपेश साहू ने कहा कि "शारदीय नवरात्रि आस्था, श्रद्धा और सनातन परंपरा का पावन पर्व है। माँ दुर्गा की आराधना हमें शक्ति, सेवा और सद्भाव के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। मेरी कामना है कि माँ जगदम्बा की कृपा बेमेतरा क्षेत्र के प्रत्येक परिवार पर बनी रहे, किसान की फसल लहलहाए और हर घर में सुख-समृद्धि का वास हो।"

उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ते हैं।

इस दौरान संध्या परगनिया, राजा गौकरण साहू, संदीप परगनिया, एन.के. तिवारी, सौरभ साहू, अश्वनी साहू, ताराचंद साहू, सुन्दर यादव, विधायक प्रतिनिधि किशुन साहू, रोहित साहू, हेमलाल देवांगन, डामन साहू, संतोष यादव, रमेश साहू, थानेश्वर साहू, सूखेनंद यादव, पीला राम साहू, योगेश धीवर, पुरुषोत्तम यादव सहित बड़ी संख्या में अन्य जनप्रतिनिधि, ग्रामवासी उपस्थित रहे।

देवी दर्शन के लिए भाटापारा में उमड़ा श्रद्धालुओं का जन सैलाब

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। शारदीय नवरात्रि पर्व पर श्रद्धालुओं का जन सैलाब विभिन्न देवी मंदिरों में उमड़ पड़ा है। नगर से 11 किलोमीटर दुर लगभग 500 से अधिक वर्ष प्राचीन मांवली माता मंदिर सिंगारपुर में अल सुबह से देर रात तक भक्तो का सैलाब माता दर्शन के लिए उमड़ पड़ा है। लोग दुर दराज से माता दर्शन व अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए लाईन में लगकर माता के दरबार में गुहार लगा रहे है। इसके अलावा शहर से 5 किलोमीटर दुर दानवीर दाऊ कल्याण सिंग की जन्मभूमि तरेंगा स्थित प्राचीन महामाया मंदिर में भी बड़ी संख्या में भक्त माता दर्शन के लिए पहुंच रहे है। इसी तरह शहर के अति प्राचीन माता देवालय वार्ड स्थित शीतला माता मंदिर में भी श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। इसी प्रकार के हालात शहर के तमाम अन्य देवी मंदिरों में बना हुआ है। वहीं नगर में लगभग 65 स्थानों पर स्थापित सार्वजनिक दुर्गोत्सव मंडप में भी माता दुर्गा की अलग - अलग रूपों की स्थापित मूर्ति तथा अनेक स्थानों पर बनाये गये। नयनाभिराम झांकी देखने शहर के साथ साथ आस - पास के गांव के लोग सड़क पर उमड़ पड़े है जिसके कारण देर रात तक शहर में चहल पहल का वातावरण बना हुआ है। इन सब के अलावा भाटापारा से बड़ी तादाद में श्रद्धालु

विभिन्न ट्रेनों में सवार होकर डोंगरगढ़, चतुरगढ़, रतनपुर, मैहर, झलमला बालोद, मां चंडी मंदिर बागबाहरा, समलेश्वरी मंदिर संबलपुर उड़िसा, चन्द्रपुर, मड़वारानी सहित घटारानी जतमई के अलावा अन्य दुर दराज के धर्म स्थल की ओर जाने के लिए रवाना हो रहे है। और जहां पर रेल मार्ग की सुविधा नही है। वैसे स्थानों पर लोग विशेष चौपहिया वाहनों की स्पेशल बुकिंग कर बड़ी तादाद में जा रहे है। जिसमें दंतेवाड़ा दंतेश्वरी सहित अन्य देवी स्थल के लिए पूजा अर्चना हेतु लोग बड़ी तादाद में अपने परिवार व मित्र यार के साथ रवाना हो रहे है। नगर में नवरात्रि पर्व के दौरान अनेक स्थानों पर रास गरबा नृत्य के साथ साथ गरबा नृत्य व अन्य धार्मिक आयोजन चल रहे है। जिसके कारण समुचा शहर देवी भक्ति की बयार में बहने लगा है । क्षेत्र के प्रसिद्ध मांवली माता मंदिर सिंगारपुर में अकेले 4600 से अधिक ज्योतिकलश प्रज्जवलित किये गये है। वहीं प्राचीन महामाया मंदिर तरेंगा में लगभग 1400 से अधिक मनोकामना ज्योति प्रज्जवलित किये गये है। इसके अलावा शीतला माता मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरों में भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु मनोकामना द्वीप प्रज्जवलित कराये हुए है। कुल मिलाकर संपूर्ण क्षेत्र माता भक्ति के वातावरण में पुरी तरह डुब चुका है।

अमर शहीदों के सर्वोच्च बलिदान से बस्तर में शांति की नई सुबह : साय

मुख्यमंत्री ने 'शौर्यांजलि : बस्तर के नायकों को समर्पित' कार्यक्रम में अमर शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि बस्तर की धरती पर शांति की स्थापना और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले हमारे वीर जवानों का शौर्य, त्याग और समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। हमारे जवानों ने केवल नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष नहीं किया, बल्कि अपने रक्त और बलिदान से बस्तर में शांति, सुरक्षा और खुशहाली के नए युग की नींव रखी है। आज बस्तर में शांति और विश्वास की जो नई सुबह दिखाई दे रही है, उसके पीछे हमारे सुरक्षा बलों का अदम्य साहस और अमर शहीदों का सर्वोच्च बलिदान है। मुख्यमंत्री साय राजधानी रायपुर में द हिन्दू फाउंडेशन, नागपुर द्वारा आयोजित 'शौर्यांजलि - बस्तर के नायकों को समर्पित' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बस्तर में शांति और सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले 50 अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके परिजनों का सम्मान किया।

मुख्यमंत्री ने शहीद परिवारों के प्रति गहरी संवेदना और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि किसी अपने को खोने की पीड़ा को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। जब एक जवान देश और समाज की रक्षा करते हुए शहीद होता है तो एक मां अपना बेटा, पत्नी अपना जीवनसाथी और बच्चे अपने पिता का साया खो देते हैं। इस अपूरणीय क्षति की भरपाई संभव नहीं है, लेकिन पूरा छत्तीसगढ़ अपने वीर सपूतों और उनके परिवारों के प्रति सदैव कृतज्ञ रहेगा। उन्होंने शहीद परिवारों से कहा कि आपके अपने केवल आपके परिवार के सदस्य नहीं थे, वे पूरे छत्तीसगढ़ और राष्ट्र के गौरव हैं। उन्होंने अपने जीवन से साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिसे आने वाली पीढ़ियां गर्व और सम्मान के साथ याद करेंगी।

शहीद परिवारों के हर सुख-दुख में साथ

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शहीद परिवारों का सम्मान, सुरक्षा और कल्याण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। मातृभूमि और समाज की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले जवानों के परिवारों की चिंता करना सरकार का दायित्व है। राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ शहीद परिवारों के सुख-दुख में सहभागी है और भविष्य में भी हर परिस्थिति में उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि शहीदों के परिवार हमारे लिए केवल सहायता के पात्र परिवार नहीं, बल्कि हमारे अपने परिवार हैं। उनका सम्मान करना और उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि चार दशकों से बस्तर में गहरी जड़ें जमा चुके नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष आसान नहीं था। घने जंगलों, दुर्गम पहाड़ियों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच हमारे जवानों ने अभूतपूर्व साहस का परिचय दिया। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास, सुरक्षा बलों की रणनीति और जवानों के अदम्य पराक्रम से नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान को निर्णायक सफलता मिली।

राजेश शर्मा पुन: बने डीआरयुसीसी सदस्य

भाटापारा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा रायपुर रेल संभाग में रेल उपयोग कर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य के रूप में शहर के राजेश शर्मा को नियुक्त किया गया है। अपनी नियुक्ति पर शर्मा ने रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव सांसद द्वय, बृजमोहन अग्रवाल, लक्ष्मी वर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा,नपा. अध्यक्ष अश्वनी शर्मा व अनुपम अग्रवाल का आभार प्रकट किया है। शर्मा को सदस्य बनाये जाने पर शरद भृगु, सत्यनारायण जोशी, सुनील दुबे, अनिल गिदवानी, दीपक टिकरीहा, राजा चावला, संतोष वर्मा, संजय सिंग चौहान, पियुष जैन, दीपक शर्मा, बड़ा मुन्ना, राजेश बाजाजी, केके नायक, बसंत भृगु, ओमप्रकाश रात्रे, अमरजीत सिंग सलुजा, सुरेश भानुशाली, लक्ष्मीनारायण शर्मा, कैलाश जायसवाल, तुलसी जायसवाल, ज्ञानचंद गंगवानी, नवल चौरसिया, राजेश मोहता, बबलु दवे, सोमेश सिन्हा सहित अन्य लोगो ने बधाई दी है।

विधानसभा अध्यक्ष को जन्मदिन की बधाई देने पहुंचे पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज राजधानी रायपुर के शंकर नगर स्थित निवास पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह से आत्मीय भेंट कर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मंत्री श्री अग्रवाल ने डॉ. रमन सिंह के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, सुख-समृद्धि एवं खुशहाल जीवन की मंगलकामना की।

पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने संस्कृत के मंगलवाक्य 'जीवेत शरदः शतं' के साथ डॉ. रमन सिंह को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ईश्वर उन्हें स्वस्थ, सुदीर्घ एवं यशस्वी जीवन प्रदान करें। वे इसी प्रकार जनसेवा, समाज कल्याण और छत्तीसगढ़ की प्रगति के लिए निरंतर कार्य करते रहें तथा उनका स्नेह, आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन हम सभी को मिलता रहे। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि डॉ. रमन सिंह का लंबा राजनीतिक एवं प्रशासनिक अनुभव छत्तीसगढ़ के लिए एक महत्वपूर्ण धरोहर है। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में जनसेवा, सुशासन और प्रदेश के सर्वांगीण विकास को सदैव प्राथमिकता दी है।

नारी शक्ति के सम्मान और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध सरकार

रायपुर. नवरात्रि का पावन पर्व शक्ति की आराधना के साथ नारी शक्ति के सम्मान, सामाजिक एकता और हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है। हमारी सरकार इसी भावना के अनुरूप माताओं-बहनों के सम्मान, सुरक्षा, स्वावलंबन और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। महिलाओं की प्रगति केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज और प्रदेश की प्रगति का आधार है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर में आयोजित विभिन्न गरबा एवं नवरात्रि महोत्सवों में शामिल होकर प्रदेशवासियों को नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कालीबाड़ी स्थित मां काली मंदिर पहुंचे और माता के दर्शन-पूजन कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके साथ ही वे मंडी परिसर में श्री कच्छ कड़वा पाटीदार समाज द्वारा आयोजित श्री पाटीदार नवरात्रि महोत्सव, भानपुरी में श्री कच्छ कड़वा पाटीदार समाज के गरबा समारोह, गोवर्धन नगर में श्री कच्छ गुर्जर क्षत्रिय समाज द्वारा आयोजित नवरात्रि महोत्सव तथा अमलीडीह क्षेत्र में आयोजित ढोलिडा रास गरबा-2026 सहित विभिन्न आयोजनों में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि के अवसर पर पूरे देश और प्रदेश में भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत वातावरण निर्मित होता है। नौ दिनों तक शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की आराधना हमें जीवन में साहस, संयम, सकारात्मकता और सदाचार के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

यह पर्व हमारी सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने के साथ समाज में प्रेम, सद्भाव और समरसता की भावना को भी मजबूत करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरबा केवल नृत्य का आयोजन नहीं, बल्कि मां दुर्गा के प्रति हमारी श्रद्धा और भक्ति की सुंदर अभिव्यक्ति है।

महतारी वंदन योजना ने बढ़ाया आत्मविश्वास

साय ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से निरंतर कार्य कर रही है। महतारी वंदन योजना इसी संकल्प की महत्वपूर्ण कड़ी है। योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 68 लाख माताओं-बहनों के बैंक खातों में प्रतिमाह एक हजार रुपए की सहायता राशि सीधे अंतरित की जा रही है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना केवल आर्थिक सहायता की योजना नहीं है, बल्कि माताओं-बहनों के आत्मविश्वास और निर्णय लेने की उनकी स्वतंत्रता को मजबूत करने का माध्यम भी बनी है। हमारी माताएं-बहनें इस राशि का उपयोग अपनी दैनिक आवश्यकताओं, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य, बचत और परिवार की जरूरतों के लिए कर रही हैं। जब महिला आर्थिक रूप से सशक्त होती है, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। आज प्रदेश की 14 लाख बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ की महिलाओं की मेहनत, लगन, उद्यमशीलता और सामर्थ्य का प्रमाण है। स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं आज विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के माध्यम से न केवल अपने परिवार की आय बढ़ा रही हैं, बल्कि गांव और समाज की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के हाथों में आर्थिक सामर्थ्य आने से परिवारों में खुशहाली आती है, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य बेहतर होता है तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन की गति तेज होती है। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में हमारी मातृशक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार महिलाओं को स्वावलंबी बनाने, कौशल विकास, आजीविका और उद्यमिता के अधिक अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

एक नजर

कोलिहा में नवरात्रि पर्व पर चहल पहल का वातावरण

भाटापारा। निकटवर्ती गांव कोलिहा के महमाया चौक, बजार चौक, लक्ष्मी चौक ,पाल पारा, ढाबाढीह मे चांदनी चौक, बरगद पारा ,सकरीपार में डबरा पारा तथा बुचिपार में मारूती चौक धृव पारा महामाया मंदिर में मा दुर्गा के अलग अलग रूपों की प्रतिमा विराजित की गई है जिसमें आकर्षक साज सज्जा के कारण माहौल देखते ही बन रहा है। देवी दर्शन के लिए बड़ी तादाद में आस पास के ग्रामीण क्षेत्रो से लोग पहुंच रहे है। साथ ही वहां पर देवी गीत , जस गीत , व अन्य सांस्कृति कार्य₹ म प्रस्तुत किये जा रहे है जिससे संपूर्ण क्षेत्र में भक्तिपूर्ण माहौल का संचार हो रहा है।

रेंगाबोड़ में कन्या भोज के आयोजन के साथ प्रतिमा विसर्जन

भाटापारा। ग्राम रेंगाबोड के मुख्य चौक पर विराजी मां दुर्गा के पंडाल कन्या ज़ेज के साथ ही हवन पूजन उपरांत दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन कार्यक्रम प्रांरभ हुआ। राम मन्दिर चौक में भी प्रसाद वितरण हुआ । उपरोक्त सभी कार्यक्रम में विकी साहू, विमल कुमार साहू, महेश साहू ,लक्ष्य नारायण साहू, रामावतार साहू ,छन्नु लाल साहू, बलराम साहू, जगत साहू, ऊधोराम साहू, सुरेन्द्र साहू, पचुराम साहू, संतोष साहू, राजतिलक साहू, धर्मु साहू, राजाराम साहू, ताकेश साहू, रामनाथ साहू, नेतराम साहू, सतुराम साहू, शत्रुहन साहू, प्रेम लाल साहू, सेऊक राम साहू, ज़ेला राम साहू, बिसऊहा साहू, सन्तराम साहू, मुकेश साहू, हरिराम यादव, अर्जुन साहू ,भरतलाल साहू, चन्दराम साहू ,अवध राम साहू, गयाराम साहू, मयाराम साहु, गोपाल साहू सहित समस्त ग्रामीण जन उपस्थित थे।

रामलीला का भव्य मंचन जारी, अनेक प्रतिष्ठित लोग शामिल हुए

भाटापारा। 107 वर्ष पुराने रामलीला मंडली द्वारा आठवे दिवस की भव्य प्रस्तुति दी गई जिसमें नये पुराने अनेक कलाकारों ने अपने अभिनय का लोगो का मन मोह लिया। रामलीला मंचन में कोमल शर्मा के अलावा प्रकाश शर्मा संदीप मल, सूर्यकांत शुक्ला, धनजी जोशी, हेमंत मल, शिवनारायण गुप्ता, विनय ठाकुर, राहुल तिवारी, प्रवेश अग्रवाल, अमित जैन, सिद्धांत जाधव ,हेमंत गुप्ता, रामजी जोशी, देवनारायण शर्मा का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है। कार्यक्रम में आगंतुक अतिथियों में ईश्वर सिंग ठाकुर, राधेश्याम अग्रवाल, विष्णु पोदर, अंशुमन मुरारका, शिखा अग्रवाल, सुनील गुप्ता , सुधाकर सारस्वत, प्रमुख रूप से शामिल थे। कार्यक्रम में विधायक इन्द्र साव पालिका उपाध्यक्ष दिलीप छाबड़िया, भागसिंग सलुजा, सत्तु जोशी, विष्णु अग्रवाल, वैभव केशरवानी विशेष रूप से मौजुद थे।

दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन का सिलसिला शुरू

भाटापारा। शहर में लगभग 65 अलग अलग स्थानों पर विराजित दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन का सिलसिला अब प्रारंभ हो गया है। तमाम दुर्गा मंडप स्थल पर पूर्ण विधि विधान के साथ देर रात तक हवन पूजन का कार्य₹ म जारी रहा नगर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी नवरात्रि पर भव्य कार्य₹ म आयोजित किये गये जिसमें जगह जगह जसगीत प्रतियोगिता के अलावा भजन संध्या एवं अन्य प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए शहर में लगभग दर्जन भर अलग अलग स्थानों पर रास गरबा नृत्य, डांडिया नृत्य सहित अन्य कार्य₹ म लगातार आयोजित किये गये। कुल मिलाकर नवरात्रि पर्व में माता भक्ति को लेकर शहर व क्षेत्र में लगातार भक्ति की बयार बहते रही। वहीं अब माता की मूर्ति का विसर्जन का सिलसिला प्रारंभ हो गया। अधिकांश प्रतिमाओं का विसर्जन बाजे गाजे के साथ शहर से 7 किलोमीटर दुर सेमरिया घाट , शिवनाथ नदी में किया जा रहा है। इसको लेकर बड़ी तादाद में लोग सेमरिया घाट की ओर पहुंच रहे है वहीं ज्योत जंवारा का विसर्जन अनेक तालाबों में विधि विधान से किया जा रहा है।

किसानों की फसल सुरक्षा के लिए विशेष पहल, कीट-रोगों की पहचान से नियंत्रण तक मिलेगा वैज्ञानिक मार्गदर्शन

'कृषि मंत्री रामविचार नेताम के निर्देशों पर फसलों की देखरेख और नुकसान की रोकथाम पर जोर'

रायपुर । छत्तीसगढ़ में किसानों की फसलों को कीट एवं रोगों से होने वाले नुकसान से बचाने और कृषि उत्पादन की गुणवत्ता बनाए रखने के उद्देश्य से फसल स्वास्थ्य प्रबंधन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के निर्देशों के अनुरूप किसानों को फसलों में कीट एवं रोगों की समय पर पहचान करने, वैज्ञानिक तरीके से उनका निदान कराने तथा उचित नियंत्रण उपाय अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस दिशा में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आईजीकेवी), रायपुर द्वारा उपलब्ध डिजिटल सुविधाओं, कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों और क्षेत्रीय कृषि परामर्श सेवाओं का लाभ लेने की सलाह दी गई है। फसलों में कीट एवं रोगों का प्रकोप किसानों के लिए चुनौती बन सकता है। समय पर समस्या की पहचान नहीं होने अथवा बिना उचित जानकारी के कृषि रसायनों का छिड़काव करने से फसल को नुकसान पहुंचने के साथ उत्पादन लागत भी बढ़ सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी गई है कि वे फसल में असामान्य लक्षण दिखाई देने पर पहले समस्या का वैज्ञानिक निदान कराएं और उसके बाद ही उपयुक्त नियंत्रण उपाय अपनाएं।

' क्रॉप डॉक्टर ऐप से मिलेगी फसल समस्याओं की जानकारी'

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय का क्रॉप डॉक्टर (Crop Doctor) ऐप फसलों में दिखाई देने वाले लक्षणों के आधार पर कीट एवं रोग संबंधी समस्याओं को समझने तथा उनके प्रबंधन की जानकारी प्राप्त करने का उपयोगी डिजिटल माध्यम है। पत्तियों का पीला पड़ना, धब्बे आना, पौधों का मुरझाना, तनों एवं जड़ों को नुकसान पहुंचना अथवा कीटों का प्रकोप जैसे लक्षणों के संबंध में किसान इस ऐप के माध्यम से उपलब्ध जानकारी का लाभ ले सकते हैं। ऐप से प्राप्त जानकारी संभावित समस्या को समझने में सहायक हो सकती है। हालांकि, गंभीर अथवा अस्पष्ट मामलों में कृषि वैज्ञानिकों से परामर्श लेकर समस्या की पुष्टि कराना जरूरी है। किसान ऐप का उपयोग करने के लिए इस लिंक पर जा सकते हैं: https://play.google.com/store/apps/details?id=igkv.igkvcropdoctor)

मोबाइल संदेशों से क्षेत्रीय कृषि परामर्श पर जोर

फसल की अवस्था, मौसम और क्षेत्र विशेष में कीट एवं रोगों के संभावित प्रकोप को ध्यान में रखते हुए समय पर कृषि परामर्श प्राप्त करना फसल सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित परामर्श सेवाओं के माध्यम से किसानों तक मोबाइल संदेशों द्वारा कृषि संबंधी जानकारी पहुंचाई जाती है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपने क्षेत्र के लिए जारी आधिकारिक कृषि परामर्श पर ध्यान दें और उसी के अनुरूप फसल प्रबंधन करें।

कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों से लें सलाह

फसल में असामान्य लक्षण दिखाई देने, कीट अथवा रोग की पहचान स्पष्ट नहीं होने या सामान्य उपायों से लाभ नहीं मिलने पर किसान अपने जिले के कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों से संपर्क कर सकते हैं। परामर्श के लिए किसान फसल का नाम, किस्म, वर्तमान अवस्था, प्रभावित पौधों एवं पत्तियों की स्पष्ट तस्वीरें, नुकसान का स्वरूप तथा हाल में उपयोग किए गए उर्वरकों और कृषि रसायनों की जानकारी उपलब्ध कराएं। इससे वैज्ञानिकों को समस्या के संभावित कारणों का आकलन करने और उपयुक्त प्रबंधन संबंधी मार्गदर्शन देने में सहायता मिलेगी। आवश्यकता पड़ने पर नमूनों की जांच अथवा खेत का निरीक्षण भी कराया जा सकता है।

सही पहचान के बाद ही करें कृषि रसायनों का उपयोग

किसानों से अपील की गई है कि वे बिना सही पहचान के किसी भी कीटनाशक अथवा अन्य कृषि रसायन का छिड़काव न करें। कृषि रसायनों का चयन फसल और लक्षित कीट या रोग के अनुरूप करें तथा उत्पाद के लेबल पर दिए गए निर्धारित मात्रा, प्रतीक्षा अवधि, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों और अन्य निर्देशों का पालन करें।

समय पर समस्या की पहचान, वैज्ञानिक निदान और उचित नियंत्रण उपाय अपनाने से फसल क्षति कम करने, कृषि लागत का बेहतर प्रबंधन करने तथा उत्पादन की गुणवत्ता सुरक्षित रखने में मदद मिल सकती है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय एवं कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध तकनीकी मार्गदर्शन का लाभ लेकर अपनी फसलों की नियमित निगरानी करें और फसल स्वास्थ्य की सुरक्षा को प्राथमिकता दें। प्रकाशन संबंधी नोट~समाचार में मंत्री श्री रामविचार नेताम के निर्देशों के अनुरूप पहल का उल्लेख आपके निर्देश के आधार पर किया गया है। इसे आधिकारिक रूप से जारी करने से पहले मंत्री के निर्देशों तथा मोबाइल संदेश सेवा के वर्तमान संचालन की पुष्टि कर लें। साथ ही, ऊपर की तारीख 18 अक्टूबर 2026 आज की तारीख के अनुसार रखी गई है; यदि समाचार किसी अन्य दिन जारी होना है, तो प्रकाशन की वास्तविक तारीख बदल दें।

'क्रॉप डॉक्टर ऐप, कृषि विज्ञान केंद्रों और मोबाइल संदेशों से किसानों तक पहुंचेगी उपयोगी तकनीकी जानकारी'

विधानसभा के टिकूलिया एवं बेन्दरी में भूमिपूजन व लोकार्पण में शामिल हुए वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। विधानसभा क्षेत्र में विकास की एक नई पहल के अंतर्गत वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा ने ग्रामीण अधोसंरचना और शिक्षा के क्षेत्र में एक साथ महत्वपूर्ण विकास कार्यों का शुभारंभ किया। उक्त अवसर पर ग्राम टिकूलिया में बनने वाले रंगमंच निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया, साथ ही ग्राम पंचायत बेन्दरी में सी.सी. रोड एवं नवीन ग्राम पंचायत भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन तथा प्राथमिक शाला में नवनिर्मित प्रार्थना शेड का लोकार्पण भी किया। उपरोक्त अवसर पर जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, ग्रामीणजन, महिलाएं, युवा वर्ग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। ग्रामीणों में इन विकास कार्यों को लेकर भारी उत्साह देखा गया और सभी ने इसे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। शिवरतन शर्मा ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सर्वप्रथम सभी को शारदीय नवरात्रि की बधाई दी ग्रामीण अधोसंरचना को सुदृढ़ करना एवं शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि गांवों का विकास ही प्रदेश के विकास की असली नींव है और इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक गांव में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक सुविधाओं को निरंतर बढ़ाया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से ग्रामवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी, पंचायत की कार्यप्रणाली और अधिक सुदृढ़ होगी तथा स्कूली बच्चों को प्रार्थना एवं अन्य गतिविधियों के लिए एक व्यवस्थित स्थल प्राप्त होगा। ग्राम टिकूलिया में रंगमंच के लिए भूमिपूजन कर शिवरतन शर्मा ने कहा की प्रस्तावित रंगमंच के निर्माण से गांव की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाई मिलेगी। यह रंगमंच ग्रामीण कलाकारों, युवाओं और बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक स्थायी और सम्मानजनक मंच प्रदान करेगा। इसके माध्यम से मेले, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नाटक और अन्य सामाजिक आयोजनों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे गांव में सामाजिक एकता और भाईचारे की भावना और मजबूत होगी। वहीं ग्राम पंचायत बेन्दरी के कार्यक्रम को सम्बोधित कर कहा की गांव में बनने वाली सी.सी. रोड ग्रामीणों के लिए आवागमन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। इस सड़क के बन जाने से बरसात के दिनों में होने वाली कीचड़, जलभराव और धूल की समस्या से स्थायी निजात मिलेगी.. साथ ही बेन्दरी में बनने वाला नवीन ग्राम पंचायत भवन पंचायत व्यवस्था को और अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और सुदृढ़ बनाएगा। इस भवन में ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं की जानकारी, आवश्यक प्रमाणपत्र और पंचायत संबंधी सभी कार्य एक ही स्थान पर सुव्यवस्थित रूप से मिल सकेंगे, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत होगी और ग्रामीण शासन की प्रि या में आम जनता की भागीदारी बढ़ेगी। शिवरतन शर्मा ने प्राथमिक शाला में नवनिर्मित प्रार्थना शेड का लोकार्पण कर कहा की बच्चों के शैक्षणिक भविष्य के लिए एक बड़ी सौगात है। अब बच्चे तेज धूप, बारिश और ठंड के मौसम में भी बिना किसी बाधा के प्रार्थना सभा, खेलकूद और अन्य शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग ले सकेंगे। इससे विद्यालय में शिक्षा का वातावरण और बेहतर होगा तथा बच्चों का शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास सुचारू रूप से हो सकेगा। उपरोक्त कार्यक्रम में अजय साहू,गायत्री लोकनाथ वर्मा, मथुरा यदु, महाबल बघेल, जागेश्वर ध्रुव, पीलू वर्मा, रोहित वर्मा, ज्योति खोरबाहर ध्रुव, नंद कुमार ध्रुव, सरद ध्रुव, मलेच्छ वर्मा, धुरसिंग ध्रुव, सहित बड़ी संख्या में अन्य लोग उपस्थित थे।

पटपर स्कूल में प्रार्थना शेड निर्माण का भूमिपूजन

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। स्थानीय लाल बहादुर शास्त्री वार्ड पटपर स्थित शासकीय आदर्श प्राथमिक शाला में प्रार्थना शेड निर्माण का भूमिपूजन पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा के करकमलों से संपन्न हुआ । उक्त अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्कार और बेहतर सुविधाओं से छात्र छात्राओं का भविष्य बेहतर बनाया जा सकता है। छात्र छात्राओं को अच्छा शैक्षणिक वातावरण व सुविधाएं देकर उनके ज्ञान संस्कार अनुशासन और व्यक्तित्व को संवारा जा सकता है। उनका प्रयास है कि प्रत्येक शिक्षा संस्थानों में स्वच्छता पेयजल, सड़क, नाली सहित सभी बुनियादी सुविधा उपलब्ध हो। उपरोक्त अवसर पर शत्रुहन डहरिया पालिका सभापति , गोविंद पटेल, सतीश तलरेजा, कुंजराम कोशले , लक्ष्मीकांत टंडन, आनंद राम साहू, मुनिराम साहू, अशोक साहू, खिलावन साहू, पुरूषोत्तम महिलांगे, बिल्ला यादव , बल्लु मांडले, प्रदीप बंजारे , मीना सोनी, चन्द्रकला साय ,निशा टंडन , राजकुमारी साहू, प्रमोद वर्मा, बंशीलाल चौहान, शत्रुहन दास कुर्रे , रोशन दास बंजारे, सलीम खान, संतोष साहू, नीरा साहू, कुमार साहू, कुलेश्वर मांडले, हेमंत चतुर्वेदी, हीरा भारद्वाज, मुन्नी बाई , उत्तर बाई, संगीता, ओम्बई सहित स्कूल के तमाम शिक्षक उपस्थित थे।

बघेल सेवा समिति द्वारा रामलीला मंडली के वरिष्ठ कलाकारों का सम्मान किया गया

भाटापारा। कुर्मी समाज समाज में स्थापित डॉक्टर खूबचंद बघेल सेवा समिति द्वारा ग्राम रवान के आदर्श रामलीला मंडली के 20 वरिष्ठ कलाकारों का सम्मान मोमेंटो ,गमछा व पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया गया, जिसमें आरती दास साहू, सेवाकराम देवांगन, छेदू राम वर्मा, मंत राम साहू, राम वर्मा, सालिक राम साहू , छेदू राम साहू, बगस राम, रमेश वर्मा ,तेजराम वर्मा आदि का सम्मान सेवा समिति के सदस्य सेवाराम वर्मा, हेमलाल वर्मा , गिरधारी वर्मा, रमेश वर्मा द्वय एवं शंकर लाल वर्मा , डी एल बघमार द्वारा किया गया।

विद्यालय के बच्चों ने रचनात्मक झांकी प्रस्तुत की

भाटापारा। नवरात्रि के पावन अवसर पर शासकीय प्राथमिक शाला परसाडीह में, सांस्कृतिक कार्यर म का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने नवदुर्गा के विभिन्न रूपों का रूप धारण कर अपना सुंदर प्रस्तुति दिया। जिसे देखकर उपस्थित लोग भाव विज़ेर हो गये । शाला के प्रधानपाठक दौलत सिंह ध्रुव ने सभी छात्र - छात्राओं की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार का आयोजन छात्र- छात्राओं में रचनात्मकता प्रोत्साहित करते ही है साथ ही भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़े रखता हैं। उपरोक्त अवसर पर सावित्री पटेल,तनु ध्रुव, निशु साहू व अन्य लोग उपस्थित थे।

दीपावली अवकाश एक दिन बढ़ने से छात्र छात्राओं में हर्ष

भाटापारा। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विज़ाग द्वारा जारी नये आदेश के तहत अब शासकीय अनुदान प्राप्त, गैर अनुदान प्राप्त स्कूलों एवं डीएड./बीएड./एमएड. सहित अन्य महाविद्यालयों में दशहरा, दीपावली व शीतकालीन अवकाश घोषित किया गया है। उक्त घोषित अवकाश में शासन द्वारा पूर्व में घोषित 6 नंवबर से 10 नवंबर तक के दीपावली पर्व अवकाश को संशोधित करते हुए 6 नवंबर से 11 नवंबर कुल 6 दिन के लिए शासकीय अवकाश घोषित किया गया है जिससे स्कूल व कॉलेज छात्र छात्राओं में हर्ष व्याप्त है।

36.84 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। नगर पालिका द्वारा नगर के विभिन्न वार्डो में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के क्रम में कुल 36.84 लाख की लागत से होने वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। संत कंवरराम वार्ड स्थित गब्बर कॉलोनी में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा एवं पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने विधिवत भूमिपूजन कर निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया। इन कार्यों में सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण शामिल हैं। निर्माण कार्य पूर्ण होने से नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और जल निकासी व्यवस्था बेहतर होगी। शहीद हेमू कल्याणी वार्ड में 6.18 लाख रूपयें एवं 2.63 लाख रूपयें की लागत से दो नाली निर्माण कार्य होंगे। मातादेवालय वार्ड में 4.49 लाख रूपयें की लागत से सी.सी. रोड बनाई जाएगी। वहीं संत कंवरराम वार्ड में 9.73 लाख रूपयें एवं 7.48 लाख रूपयें की लागत से दो सी.सी. रोड तथा 6.53 लाख रूपयें की लागत से नाली निर्माण कराया जाएगा। उक्त अवसर पर शिवरतन शर्मा ने कहा कि सड़क, नाली और जल निकासी जैसी बुनियादी सुविधाएं आम नागरिकों के दैनिक जीवन से जुड़ी हैं। विकास योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब उनका लाभ सीधे जनता तक पहुंचे। उन्होंने निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने पर जोर दिया। पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हमारी प्राथमिकता है। उक्त अवसर पर गोविन्द पटेल, सतीश तलरेजा, कुंजराम कोशले, भावना प्रकाश ठाकुर, भुवन ठाकुर, राजा कामनानी, महाबल बघेल, राकेश मंधान, संतोष वर्मा, देवेंद्र साहू, सुरेश साहू, सलीम खान, मधु सोनी, आयशा खान, चंद्रकला साय, रूपेश किंगरानी, उमा मंधान, धनेश मधवानी, जगदीश शोभवानी, अमन ठाकुर, बलदेव मंधान, प्रकाश दुलानी, रोशन मिश्रा, शंकर ठाकुर, अशोक किंगरानी, मैशी सचदेव, श्याम आर्य, वेद प्रकाश थौरानी, रागिनी डोंडे, सरिता साहू, गोपी ध्रुव सहित बड़ी संख्या में अन्य लोग उपस्थित थे।

भाटापारा अस्पताल में समुचित उपचार नहीं मिलने से सर्पदंश से पीड़ित युवक की मौत

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। प्रदेश के सातवें सबसे बड़े आबादी वाले नगर भाटापारा में शासकीय स्वास्थ्य व्यवस्था का बुरा हाल है। गत रात्रि सर्पदंश पीड़ित युवक को त्वरित उपचार नही मिल पाने से उसकी मौत हो गई। उपरोक्त संबंध में परिजनों ने आरोप लगाया है कि अगर समय पर भाटापारा सरकारी अस्पताल में युवक को समुचित ईलाज मिल जाता तब उसकी जान बच जाती समुचित व्यवस्था व ईलाज सुविधा भाटापारा अस्पताल में उपलब्ध न होने के कारण उसे मध्य रात्रि के बाद एक घंटे का सफर तय करते हुए बलौदाबाजार अस्पताल ले जाया गया । जहां ईलाज की प्रारंभिक प्रि या शुरू करने के दौरान ही सर्पदंश पीड़ित युवक की मौत हो गई। मिलनसार स्वभाव के धनी युवक जितेन्द्र यादव ग्राम परसवानी का मूल निवासी था तथा शहर में वह किराये के मकान पर रहकर तरेंगा नाका स्थित दीपक अहीर के टायर वर्कशॉप में कार्यरत था । दुकान बंद करने के बाद वह अपने किराये के मकान में विश्राम कर रहा था कि मध्य रात्रि जितेन्द्र यादव को किसी विषैले सर्प ने काट लिया कुछ काटे जाने की अंदेशा के बाद उसने लोगो को बताया

जिसे उपचार के लिए तुरंत भाटापारा शासकीय अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पर समुचित उपचार की सुविधा व व्यवस्था उपलब्ध नही होने के कारण उसे बलौदाबाजार अस्पताल रिफर किया गया।

इस बीच भाटापारा बलौदाबाजार का सफर तय करने में जर्जर सड़क के कारण लगभग घंटा भर का समय लग गया जिसके चलते बलौदाबाजार अस्पताल में पहुंचने के बाद उपचार की प्रक्रिया शुरू करते ही जितेन्द्र यादव ने दम तोड़ दिया । इस तरह एक नौजवान युवक की मौत समय पर समुचित उपचार नही मिलने के कारण हो गई। लोगो ने भाटापारा जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर शासकीय चिकित्सालय में समुचित व्यवस्था उपचार संबंधी उपलब्ध न होने पर नाराजगी प्रकट करते हुए कहा है कि शासन की कथनी व करनी का अंतर भाटापारा अस्पताल में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। यह गौरतलब रहे कि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल जिले के प्रभारी मंत्री है उसके बाद भाटापारा अस्पताल की दुर्दशा से यह सवाल उठ खड़ा हुआ है कि प्रभारी मंत्री व स्वास्थ्य मंत्री के प्रभार वाले क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था का इस कदर बुरा हाल क्यो है।

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर - इंदौर के बीच नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन शुरू करने की मांग

भाटापारा। देश में लगातार कीर्तिमान आय देने वाले बिलासपुर रेलवे जोन के अंतर्गत बिलासपुर से इंदौर तक नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की मांग भाटापारा क्षेत्र की जनता व रेल यात्रियों ने करते हुए कहा है कि बिलासपुर से इंदौर के बीच नई अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन जरूरी हो गया है। जिसको रेल मंत्री जनहित में शीघ्र स्वीकृति प्रदान करे। उक्त ट्रेन को प्रातः बिलासपुर से प्रारंभ किया जाये । और वह ट्रेन भाटापारा , रायपुर, गोंदिया, नैनपुर, छिंदवाड़ा, भोपाल, उज्जैन होकर प्रातः इंदौर पहुंच सके। इंदौर को व्यवसायिक रूप से मिनी मुंबई कहा जाता है। उक्त शहर का सीधा संपर्क छत्तीसगढ़ से व्यवसायिक रूप से कायम हो सके उपरोक्त दृष्टिकोण से रेल प्रशासन को नईअमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन करने की दिशा में गंभीरता से ध्यान देते हुए क्षेत्र के रेल यात्रियों को सुविधा प्रदान किया जाना चाहिए।

गुड़ेलिया में पूर्व विधायक क्रिकेट ट्रॉफी का आयोजन

भाटापारा। ब्लॉक के ग्राम पंचायत गुड़ेलिया में आगामी 21 अक्टुबर से 29 अक्टुबर तक पूर्व एमएलए क्रिकेट ट्रॉफी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रथम पुरस्कार एक लाख रूपयें प्रदान किया जायेगा। वहीं उप विजेता टीम को 51 हजार रूपयें दिया जायेगा। क्रिकेट मैच में भाग लेने वाले टीम के लिए प्रवेश शुल्क 3,100 रूपयें रखा गया है। क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने सभी टीमो के 11 खिलाड़ियों को आयोजको द्वारा टी शर्ट प्रदान किया जायेगा। इसके अलावा अनेक आकर्षक ईनाम घोषित किये गये है। जिसमें शतक लगाने वाले, अर्द्धशतक लगाने वाले, हैट्रिक विकेट लेने वाले, हैट्रिक छक्का मारने वाले तथा पहली बॉल पर चौका व छक्का लगाने वाले खिलाड़ियों को आकर्षक ईनाम प्रदान किया जायेगा । इन सब के अलावा मैन ऑफ द मैच , मैन ऑफ द सिरीज, बेस्ट कमेंटेटर , बेस्ट अम्पायर, बेस्ट विकेट कीपर , बेस्ट बॉलर, बेस्ट फिल्डर , बेस्ट कैचर , बेस्ट बैट्समैन तथा बेस्ट दर्शन को भी आकर्षक पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे। उपरोक्त टुर्नामेंट में केवल 40 टीमो को प्रवेश दिया जायेगा। सभी मैच 8 -8 ओव्हर के खेले जायेंगे। अंतिम दौर के मैच सेमी फायनल व फायनल मैच 10 - 10 ओव्हर के होंगे। क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को एक ही गांव से होना अनिवार्य किया गया है। दुसरे गांव के खिलाड़ी यदि किसी मैच में खेलते पाये गये तो उसका मैच रद्द कर दिया जायेगा। सभी खिलाड़ियों को आधार कार्ड लेकर आना होगा। उपरोक्त प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक ग्रामीण खिलाड़ी विनोद देवांगन , नितिश ध्रुव, सौरभ साहू, व टिक्की वर्मा से संपर्क कर सक ते है। सभी मैच आदर्श निर्मल विकसित एवं स्मार्ट ग्राम गुड़ेलिया में खेले जायेंगे।

खपराडीह में भव्य रूप से मनाया गया नवरात्रि पर्व

भाटापारा। निकटवर्ती गांव खपराडीह में स्थित महामाया मंदिर में नवरात्रि पर्व पर ज्योति कलश प्रज्जवलित किये गये है। वही प्रांगण में विभिन्न गांव के सेवा समिति द्वारा लगातार श्रद्धा भाव से जसगीत का गायन किया जा रहा है। कार्यक्रम में करण लाल सेन ,ज्ञानचंद नेताम , राजेन्द्र नेताम,राजेन्द्र उपाध्याय, रूपेश यादव, उदल सिंग नेताम , विनोद ध्रुव दानेश्वर पोर्ते , धनुराम बैगा, संतोष नेताम, अशोक विश्वकर्मा , नीरज मानिकपुरी सहित बड़ी संख्या में गांववासी सहयोग कर रहे है।

कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट में गरबा महोत्सव का भव्य आयोजन

भाटापारा। कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट में नवरात्रि के पावन अवसर पर गरबा महोत्सव का रंगारंग आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के संचालक मनीष शुक्ला, राम नारायण शिक्षण संस्थान की सचिव अंजलि शुक्ला, महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. वंदना चौहान की उपस्थिति में समस्त सहायक प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ । महाविद्यालय की छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर गरबा की मनमोहक प्रस्तुति दी। गरबा की मधुर धुनों और माता रानी के भक्ति-भरे भजनों से पूरा महाविद्यालय परिसर भक्तिमय हो गया। इस कार्यक्रम में गरबा के संपूर्ण अज़्यास में महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका सुषमा दुबे का विशेष योगदान रहा।

सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन अश्वनी शर्मा के हाथों

भाटापारा। शहर सीमा अंतर्गत नयापारा वार्ड के कृष्णा कॉलोनी में वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा के प्रयास से विभिन्न निर्माण कार्यो के लिए लगभग 21.27 लाख रूपयें की राशि से विकास कार्य किये जायेंगे। उपरोक्त संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त कार्यो का भूमि पूजन 17 अक्टुबर दिन शनिवार को शाम 4 बजें नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा करेंगे। उक्त कार्य के अंतर्गत कृष्णा नगर गेट से रंजीत राणा के गेट तक सीसी रोड निर्माण कार्य तथा दानी निहलानी के घर से संजय शाह के घर तक सीसी रोड का निर्माण कार्य होगा। कृष्णा नगर से रंजीत राणा के घर तक बनने वाले सीसी रोड लगभग 16.59 लाख रूपयें तथा निहलानी के घर से शाह के घर तक निर्मित होने वाले रोड की लागत लगभग 4.68 लाख रूपयें निर्धारित है। उपरोक्त कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगो की उपस्थिति का अनुरोध प्रशासन द्वारा किया गया है।

पेंशनर भवन में होगा सम्मान समारोह व काव्य गोष्ठी

भाटापारा। आगामी 25 अक्टुबर शरद पूर्णिमा के अवसर पर पेंशनधारी कल्याणसंघ के द्वारा सम्मान समारोह भक्ति संगीत एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन सुभाष बाजार स्थित भवन में किया गया है। जिसमें अरूण छाबड़ा परिचय मिश्रा एवं कन्हैया साहू का विभिन्न क्षेत्रों में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मान किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अरूण बंटी छाबड़ा करेंगे। क्षेत्र के वरिष्ठ साहित्यकार बलदेव सिंग भारती अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजुद रहेंगे। कार्यक्रम में आलोक मोदी, विनोद मोदी, रघुनाथ प्रसाद पटेल सहित अन्य लोग भी मौजुद रहेंगे । उम्र दराज पेंशनरो की स्थिति को देखते हुए उक्त कार्यर म दोपहर 12 बजे आयोजित किया गया है।

शहर में लगभग 21.27 लाख की लागत से बनने वाले सीसी रोड निर्माण कार्यों का भूमिपूजन शिवरतन शर्मा एवं अश्वनी शर्मा ने किया

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। नगर के वार्डों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में कृष्णा कॉलोनी एवं नया पारा वार्ड में कुल 21.27 लाख की लागत से होने वाले दो सीसी रोड निर्माण कार्यों का भूमिपूजन शिवरतन शर्मा एवं पालिका के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इन निर्माण कार्यों से दोनों क्षेत्रों में सड़क सुविधा सुदृढ़ होगी और वार्डवासियों को आवागमन में राहत मिलेगी। नगर के विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार को विकास की प्राथमिकता बताते हुए इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने कहा कि शहर का वास्तविक विकास तभी सार्थक होता है, जब उसका लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग और प्रत्येक वार्ड के नागरिक तक पहुँचे। सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएँ न केवल आवागमन को सुगम बनाती हैं, बल्कि क्षेत्र की बेहतर व्यवस्था और नागरिकों की सुविधा में भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। शिवरतन शर्मा ने कहा कि भाटापारा के विकास और नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए निरंतर प्रयास करना हमारी प्राथमिकता रही है। विकास का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि आम जनता के जीवन को सुविधाजनक बनाना और प्रत्येक क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि सड़क, नाली, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाएँ किसी भी शहर के विकास की आधारशिला होती हैं। कृष्णा कॉलोनी एवं नया पारा वार्ड में सीसी रोड निर्माण से स्थानीय नागरिकों को सुविधा मिलेगी और क्षेत्र की सड़क व्यवस्था मजबूत होगी। जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे जनता की आवश्यकताओं को समझें, उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करें और विकास कार्यों को धरातल पर उतारें। उन्होंने आगे कहा कि भाटापारा के सर्वांगीण विकास के लिए जनहित से जुड़े कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाना आवश्यक है। हमारा संकल्प है कि नगर में विकास की प्रक्रिया निरंतर जारी रहे और नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध हों। नगर पालिका परिषद भाटापारा के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड का संतुलित विकास, नागरिकों की समस्याओं का समाधान और बेहतर मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना नगर पालिका परिषद की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। कृष्णा कॉलोनी एवं नया पारा वार्ड में 21.27 लाख के सीसी रोड निर्माण कार्य इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकासोन्मुखी विजन, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी सोच तथा वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों के मार्गदर्शन से नगरीय क्षेत्रों में विकास को गति देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में जनता के विश्वास पर खरा उतरना और नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप काम करना हमारी जिम्मेदारी है। प्रत्येक वार्ड महत्वपूर्ण है। हम सभी क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार विकास कार्यों को आगे बढ़ाते हुए नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कृष्णा कॉलोनी एवं नया पारा वार्ड में सीसी रोड निर्माण कार्यों का भूमिपूजन नगर की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इन कार्यों से स्थानीय निवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी और संबंधित क्षेत्रों की सड़क व्यवस्था में सुधार होगा। उक्त अवसर पर गोविंद पटेल, मनीष मिश्रा, संतीश साहू, बब्बू मंधान, राजेश साहू, भुवन ठाकुर, कीर्तन जायसवाल, गयत्री आडिल, रागिनी डोंडे, आयशा खान, वेकंट राव, सुरेश गुप्ता, मंजीत सिंह, सप्पल नूर मोहम्मद, आलोक जायसवाल, शिव पुरोहित उस्लाम ट्वान, रवि वर्मा, रणजीत सिंह राणा, हेमलाल, गोपी ध्रुव, शिवम केशरवानी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

विसर्जन झांकी एवं 50 फीट रावण दहन भव्य आतिशबाजी के साथ किया गया

निपनिया। 21 अक्टूबर को माता रानी की विसर्जन झांकी सेवा टोलियों के साथ बाजे गाजे के साथ निकाली जाएगी व 50 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन भव्य राम लीला मंचन व गगनचुम्बी आतिशबाजी के साथ किया जाएगा। इस कार्यक्रम में श्री इंद्र साव विधायक, पूर्व विधायक श्री शिवरतन शर्मा जी पूर्व विधायक, बंटी शर्मा, सुशील शर्मा, एवं सभी दलों के नेता व कार्यकर्ता शामिल होते हैं। आजाद दुर्गोत्सव समिति द्वारा 24 अक्टूबर को अलका चंद्राकर का रंगारंग कार्यक्रम रखा गया है आप सभी इस कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा संख्या में सम्मिलित हो कर आनंद ले।

सिंगारपुर अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने में पुलिस को मिली बड़ी सफलता

भाटापारा। शहर से 11 किलोमीटर दुर ग्राम सिंगारपुर के एक तालाब के निकट सितंबर माह में बरामद हुए लहु लुहान शव जिसकी शिनाख्त राजाराम साहू उर्फ चोटी के रूप में हुई थी। उसकी हत्या पर से पुलिस ने पर्दा उठाते हुए। उक्त हत्याकांड का खुलासा किया है। उपरोक्त संबंध में पुलिस से प्राप्त जानकारी के अुनसार थानेदार हेमंत पटेल एवं स्पेशल साईबर सेल की संयुक्त टीम ने उक्त अंधे कत्ल की रहस्य पर से पर्दा उठाते हुए बताया है कि राजाराम साहू व राम प्रसाद साहू के बीच पुरानी रंजिश को लेकर विवाद हुआ था। जिसके चलते राजाराम साहू को पत्थर व डंडे से मारकर राम प्रसाद साहू ने ही उसकी हत्या कर दी थी। शक के आधार पर पुलिस ने जब राम प्रसाद साहू को हिरासत में लेकर प्रारंभिक पूछताछ की तब वह उक्त घटना में अनजान बनते हुए पुरी तरह अपनी संलिप्ता से इनकार क र दिया था। लेकिन पुलिस की लगातार विवेचना व कार्यवाही उक्त प्रकरण में जारी रही। फॉरेन्सिक साक्ष्यों की रिपोर्ट तथा डी.एन.ए. रिपोर्ट आने के बाद उक्त अंधे कत्ल का खुलासा हुआ। रिपोर्ट में आरोपी राम प्रसाद साहू के कपड़ो और लाठी पर मिले खुन के धब्बे का सटीक मिलान होने के बाद पुलिस ने दुबारा उससे पूछताछ शुरू की जिसमें राम प्रसाद साहू पुलिस के समक्ष टुट गया व सच उजागर करने मजबुर हुआ। पुलिस को राम प्रसाद साहू ने बताया कि आपसी विवाद के चलते उसने पत्थर से राजाराम साहू की हत्या कर दी थी। उक्त हत्या में पकड़े गये राम प्रसाद साहू निवासी सिंगारपुर से घटना के दौरान प्रयुक्त खून आलूदा तथा लकड़ी का डंडा एवं घटना के दौरान उनके द्वारा पहने गये खुन से सने कपड़े एवं अन्य साक्ष्य बरामद कर लिया गया है। पुलिस की उक्त विवेचना पूर्ण खोजी कार्यवाही में थानेदार हेमंत पटेल, साईबर थानेदार प्रणाली वैद्य, जगदेव साहू, नवीन शुक्ला, हरीश चन्द्रवंशी, गौरी शंकर कश्यप, सीताराम ध्रुव , दुर्गेश साहू, श्रीचंद ध्रुव, विजय ठाकुर, नवीन कुर्रे सहित अन्य लोग शामिल थे। जिनकी सराहनीय भूमिका उक्त हत्या के प्रकरण की गुत्थी सुलझाने में रही।

पिछले सात वर्षो में भाटापारा रेलवे स्टेशन में एक भी एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं मिला

आम नागरिको में आक्रोश, आखिर भाटापारा के साथ भेदभाव क्यो

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। भाटापारा रेलवे स्टेशन में अनेक महत्वपूर्ण सुपरफास्ट एवं एक्सप्रेस ट्रेनो का स्टॉपेज शीघ्र स्वीकृत करने की मांग क्षेत्रिय नागरिको, उद्योगपतियों एवं व्यवसायियों तथा छात्र - छात्राओं ने की है। रायपुर , बिलासपुर, दुर्ग, रायगढ़ के बाद भाटापारा रेलवे स्टेशन से रेलवे को सबसे ज्यादा आय अब तक प्राप्त हो रहा है उसके बावजुद रेल प्रशासन द्वारा भाटापारा स्टेशन की लगातार उपेक्षा की जा रही है। रायपुर, बिलासपुर रेल मंडल व रेल जंक्शन के बीच भाटापारा एक महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन है जहां से भाटापारा विधानसभा क्षेत्र के अलावा आस पास के 6 अन्य विधानसभा क्षेत्र के लोग बड़ी तादाद में देश के कोने कोने तक जाने के लिए रेल मार्ग पर यात्रा करने भाटापारा पहुंचते है इसके साथ ही भाटापारा शहर से 17 किलोमीटर दुर अंबुजा अडानी सीमेंट, 22 किलोमीटर दुर, अल्ट्राटेक, ग्रासीम सीमेंट व 32 किलोमीटर दुर लाफार्ज सीमेंट तथा 23 किलोमीटर दुर श्री सीमेंट संयंत्र सहित आधा दर्जन से अधिक अन्य सीमेंट संयंत्र व उद्योग स्थित है। साथ ही भाटापारा शहर व ग्रामीण क्षेत्र में लगभग 500 से अधिक राईस, दाल, पोहा मिल संचालित है जिसमें कार्यरत हजारों लोग देश के प्रत्येक हिस्से में जाने के लिए भाटापारा रेलवे स्टेशन पर निर्भर है। ऐसी सुरत में भाटापारा रेलवे स्टेशन में ट्रेन क्रमांक 28051 -28052 चेन्नई एक्सप्रेस, ट्रेन क्रमांक 28011 - 28012 हटिया - कुर्ला एक्सप्रेस के अलावा ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस, समरसता एक्सप्रेस, हावड़ा शिरडी एक्सप्रेस, भुनेश्वर कुर्ला एक्सप्रेस, मालदा टाऊन, सुरत एक्सप्रेस, बिलासपुर हांपा एक्सप्रेस, दरभंगा एक्सप्रेस, हावड़ा - मुंबई गीताजंली एक्सप्रेस, वास्कोडिगामा - जसीडीह एक्सप्रेस, बिलासपुर - नागपुर वंदेभारत एक्सप्रेस सहित कुछ अन्य महत्वपूर्ण ट्रेनों का हर हाल में भाटापारा स्टॉपेज दिये जाने की मांग एक लंबे समय से क्षेत्र के नागरिक कर रहे है। लेकिन उपरोक्त संबंध में जिम्मेदार जनप्रतिनिधि द्वारा ट्रेन स्टॉपेज कराने के प्रति ध्यान नही दिये जानेसे लोगो में भारी आक्रोश व्याप्त है। जबकि नागपुर व बिलासपुर रेल डिविजन में पिछले सात वर्षो के दौरान भाटापारा स्टेशन से कम आय देने वाले अनेक छोटे छोटे रेलवे स्टेशनों में कई कई महत्वपूर्ण ट्रेनो का स्टॉपेज दे दिया गया है। जनहित में तत्काल भाटापारा रेलवे स्टेशन की भारी भरकम आय को देखते हुए महत्वपूर्ण ट्रेनो का ठहराव शीघ्र स्वीकृत किया जाना आज की जरूरत है।

भाटापारा का रामलीला मंचन देखने एसपी गौरव राय पहुंचे

भाटापारा। आदर्श रामलीला नाटक मंडली के 107 वर्ष का वार्षिक मंचन अब अपने अंतिम दौर की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। विभिषण शरणागति, सेतबंध, रामेश्वरम तथा अंगद रावण संवाद का मंचन इतना जबरदस्त हुआ कि लोग ताली पिटने मजबुर हो गये। रामलीला मंचन कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक गौरव राय सह परिवार आरती के दौरान शामिल हुए। उपरोक्त अवसर पर अमरनाथ गुप्ता, अनील चांडक, पालिका अधिकारी यादव, मनीष मिश्रा, क ृषि उपज मंडी सचिव सीएल ध्रुव, पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा मदकूद्वीप के संत रामस्वरूप दास जी सहित अन्य लोग शामिल हुए जिसमें पुरूषोत्तम शर्मा, रामनारायण मोदी, नारायण मित्तल , डीएन सिंग, जुगल किशोर अग्रवाल, धिरेन्द्र बाजपेयी, संजय जोशी के अलावा एसडीओ पुलिस सहित अन्य लोग मौजुद थे। उपरोक्त अवसर पर पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने कहा कि भाटापारा रामलीला के अनवरत 107 वर्ष के मंचन को देखकर वे बहुत ही रोमांचित हुए है। अपनी बिटिया को पहली बार रामलीला दिखाने की लालसा से वे यहा पर आये है। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि वे रामलीला मंचन को देखकर अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लावे।

दशहरा मैदान में 30 फीट ऊंचे रावण का दहन, भव्य आतिशबाजी से रोशन हुआ आसमान

निशान यात्रा के साथ निकली भव्य शोभायात्रा, छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कवि व सुपरस्टार नितिन दुबे ने दी रंगारंग प्रस्तुति

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। विजयादशमी के पावन अवसर पर नगर में हर्षोल्लास और धार्मिक उत्साह के साथ दशहरा उत्सव मनाया गया। दशहरा मैदान में 30 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। रावण दहन देखने के लिए नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। इस दौरान भव्य आतिशबाजी से आसमान जगमगा उठा और पूरा वातावरण उत्सवमय हो गया।

परंपरा के अनुसार राधा-कृष्ण जमात मंदिर से निशान यात्रा निकाली गई। यात्रा में महंत बसंत बिहारी दास, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि चंदन अग्रवाल, जिला भाजपा महामंत्री राजेश ठाकुर, एल्डरमैन अनिल सिंघानिया, घनश्याम राजपूत, सुरेश सिंघानिया, पुरुषोत्तम अग्रवाल एवं ग्राम पटेल करण सिंह भुवाल सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

निशान यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए दशहरा मैदान पहुंची। यात्रा के दौरान आकर्षक आतिशबाजी और अखाड़े के कलाकारों द्वारा किए गए प्रदर्शन ने लोगों का मन मोह लिया। दशहरा मैदान में रावण दहन से पहले भी जमकर आतिशबाजी की गई। जैसे ही 30 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन हुआ, पूरा मैदान जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। इस दौरान बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चों ने उत्सव का आनंद लिया।

कवि सम्मेलन व सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

दशहरा उत्सव के अवसर पर रात्रि में भारत माता कन्या शाला मैदान में कवि सम्मेलन एवं संगीतमय कार्य₹ म का आयोजन किया गया। आमंत्रित कवियों व संगीत कलाकारों को नगर पंचायत अध्यक्ष अनीता चंदन अग्रवाल व विधायक प्रतिनिधि चंदन अग्रवाल ने मंच पर सम्मानित किया। छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कवि कृष्णा भारती, हीरामणि वैष्णव व संचालक बंशीधर मिश्रा ने उपस्थित जनसमुदाय को जमकर हंसाया व वीर रस के कवि देवेंद्र परिहार ने अपनी ओजस्वी कविताओं से देशभक्ति की लहर पैदा कर दी। नगर के प्रतिनिधि के रूप में वरिष्ठ कवि विनोद शर्मा ने भी अपनी काव्य रचना की प्रस्तुति दी। उसके बाद सुबह 4 बजे तक सुप्रसिद्ध लोकगायक नितिन दुबे व शर्मिला विश्वास ने अपनी सुरीली आवाज में भजनों और लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने संगीतमय प्रस्तुतियों का आनंद लिया। मंच पर दर्शकों के बैठने की समुचित व्यवस्था की गई थी। दशहरा महोत्सव के पूरे आयोजन की रूपरेखा लोकप्रिय लेखक व संस्कृतिकर्मी आशीष राज सिंघानिया व युवा भाजपा नेता अनीश अग्रवाल के नेतृत्व में तीन दर्जन से भी अधिक कार्यकर्ताओं के समूह ने तैयार की व उसे उचित प्रबंधन के साथ सफलतापूर्वक संपन्न भी करवाया।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पार्षदगण, नगर के गणमान्य नागरिकों तथा आसपास के ग्रामीण अंचलों से आए हजारों लोगों की उपस्थिति रही। पूरे आयोजन के दौरान नगर में उत्सव और उल्लास का माहौल बना रहा।

नगर पंचायत का अमला व पुलिस प्रशासन रहा मुस्तैद

विजयादशमी एवं रावण दहन कार्यक्रम के दौरान शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए थे। वहीं थाना प्रभारी सत्यप्रकाश उपाध्याय के कुशल नेतृत्व में पुलिस बल ने सुरक्षा की कमान संभाली। पुलिस की सतर्कता और पुख्ता इंतजामों के बीच दशहरा उत्सव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों, शानदार आतिशबाजी और उत्कृष्ट खान-पान व्यवस्था ने आयोजन को बनाया यादगार

स्वर्णभूमि में भव्यता और उत्साह के साथ मना दशहरा महोत्सव, 25 फीट के रावण दहन ने मोहा मन

राम मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद निकली भव्य शोभायात्रा, श्रीराम-लक्ष्मण एवं वानर सेना की प्रस्तुतियां रहीं आकर्षण का केंद्र

आशीष भूषणिया द्वारा

रायपुर। स्वर्णभूमि सोसायटी में विजयादशमी का पावन पर्व हर्षोल्लास, उमंग और भव्यता के साथ मनाया गया। स्वर्णभूमि आवासीय समिति के तत्वावधान में आयोजित दशहरा महोत्सव में धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक एकता का सुंदर संगम देखने को मिला। 25 फीट ऊंचे रावण का दहन, भव्य शोभायात्रा, आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और शानदार आतिशबाजी कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण रहे।

राम मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद निकली भव्य शोभायात्रा

महोत्सव का शुभारंभ स्वर्णभूमि सोसायटी के फेस-1 परिसर में स्थित राम मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके पश्चात निकली भव्य शोभायात्रा में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण एवं वानर सेना के स्वरूप में सजे सदस्यों ने अपनी आकर्षक कलाओं और प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। धार्मिक जयघोष के बीच शोभायात्रा रावण दहन स्थल तक पहुंची, जहां 25 फीट ऊंचे रावण का दहन कर बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया गया। शानदार आतिशबाजी ने उत्सव की भव्यता को और बढ़ा दिया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

कार्यक्रम में शीतल काला एवं स्वाति जैन की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण रहीं। उनकी प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। पूरे आयोजन में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों सहित स्वर्णभूमि परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समिति की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं ने जीता सभी का दिल

स्वर्णभूमि आवासीय समिति एवं संचालकगणों के कुशल प्रबंधन, समर्पण और सामूहिक प्रयासों से पूरा आयोजन शानदार एवं सुव्यवस्थित रहा। संचालन समिति की ओर से समस्त श्रद्धालुओं एवं उपस्थित लोगों के लिए खान-पान की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई थी, जिसका सभी ने आनंद लिया। अतिथियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुए की गई व्यवस्थाओं ने आयोजन को और भी यादगार बना दिया। समिति की एकजुटता, सेवाभाव और जिम्मेदारीपूर्ण कार्यशैली इस सफल आयोजन में स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

जनप्रतिनिधियों एवं समिति पदाधिकारियों की रही उपस्थिति

कार्यक्रम में धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के युवा भाजपा नेता श्री नितिन अग्रवाल उपस्थित रहे। स्वर्णभूमि आवासीय समिति के अध्यक्ष श्री नवीन पटेल, उपाध्यक्ष श्री विकास विग, उपाध्यक्ष श्री अशोक गोयल एवं कोषाध्यक्ष श्री मोहित सरावगी सहित समिति के पदाधिकारी एवं संचालकगणों की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन को सफल बनाने में संचालकगण नम्रता अग्रवाल, अलका सोनी, शशि रात्रे, पद्मा तोषनीवाल, रोबिन जेठानी, गगन सलूजा एवं रोहित अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों का योगदान सराहनीय एवं अनुकरणीय रहा। सभी ने कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और आपसी सहयोग के साथ कार्यक्रम की विभिन्न व्यवस्थाओं को संभाला। स्वर्णभूमि सोसायटी का यह दशहरा महोत्सव धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक गौरव, सामाजिक सौहार्द और सामुदायिक एकता का सुंदर उदाहरण बना। समिति के समर्पित प्रयासों और स्वर्णभूमि परिवार की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने इस आयोजन को यादगार बना दिया।

नौ दिनों की आराधना के बाद मां दुर्गा को दी विदाई, जावरा विसर्जन में सांग बना आकर्षण का केंद्र

जसगीतों और ढोल-नगाड़ों की धुन पर निकली विसर्जन यात्रा, जगह-जगह हुआ माता की प्रतिमाओं का पूजन

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना के बाद नवरात्र एवं दशहरा पर्व के समापन पर नगर में मां दुर्गा की प्रतिमाओं के साथ जावरा विसर्जन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ किया गया। पारंपरिक वाद्ययंत्रों, जसगीतों, ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन के बीच श्रद्धालुओं ने भव्य शोभायात्रा निकालकर मां दुर्गा को भावभीनी विदाई दी। नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरती विसर्जन यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

विसर्जन यात्रा के दौरान माता के जयकारों और जसगीतों से पूरा नगर भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु नाचते-गाते हुए माता की प्रतिमाओं के साथ आगे बढ़ते रहे। जगह-जगह लोगों ने प्रतिमाओं का स्वागत किया, पूजा-अर्चना की और आतिशबाजी कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इसके बाद प्रतिमाओं को समीप के नदी-तालाब तक ले जाकर विधि-विधान से विसर्जित किया गया।

जावरा विसर्जन में सांग बना आकर्षण का केंद्र

विसर्जन यात्रा में सांग का प्रदर्शन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। शरीर पर विभिन्न स्वरूपों की साज-सज्जा धारण कर माता की भक्ति में लीन श्रद्धालुओं ने जसगीतों की धुन पर नृत्य और प्रदर्शन किया। सांग धारण किए भक्तों का उत्साह देखने लायक रहा। वहीं राम, लक्ष्मण और सीता की जीवंत झांकी ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। झांकी के साथ श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाते हुए मां दुर्गा को विदाई दी।

श्रद्धालुओं ने माता की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। नौ दिनों तक चले धार्मिक आयोजनों के समापन पर भक्तों की आंखों में विदाई की भावुकता और अगले वर्ष मां के आगमन की प्रतीक्षा दिखाई दी।

मारवाड़ी दुर्गा उत्सव समिति ने श्रद्धालुओं को पिलाया शरबत

मारवाड़ी दुर्गा उत्सव समिति की ओर से गोल बाजार में विसर्जन यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए शरबत वितरण की व्यवस्था की गई। समिति के इस सेवा कार्य से श्रद्धालुओं को राहत मिली। नगरवासियों ने भी जगह-जगह श्रद्धालुओं का स्वागत कर धार्मिक आयोजन में सहभागिता निभाई। विसर्जन के दौरान पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद रहा। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा विसर्जन यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। श्रद्धा, उत्साह और भक्तिमय वातावरण के बीच मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन संपन्न हुआ।

विजयदशमी पर थान खम्हरिया थाने में विधि-विधान से हुआ शस्त्र पूजन

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। विजयदशमी के पावन अवसर पर थाना थान खम्हरिया में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विधि-विधान के साथ शस्त्र पूजन किया गया। इस अवसर पर नगर एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली तथा नागरिकों की सुरक्षा के लिए मंगलकामना की गई।

इस मौके पर थाना प्रभारी निरीक्षक सत्यप्रकाश उपाध्याय ने कहा कि विजयदशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। यह पर्व हमें सत्य, न्याय और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। शस्त्र पूजन भारतीय परंपरा में शक्ति, साहस, कर्तव्य और धर्म की रक्षा का प्रतीक माना जाता है।

शस्त्र पूजन के माध्यम से पुलिसकर्मियों ने जनसेवा, कर्तव्यनिष्ठा तथा समाज में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के संकल्प को दोहराया। साथ ही नागरिकों की सुरक्षा और क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस अवसर पर थाना प्रभारी निरीक्षक सत्यप्रकाश उपाध्याय, प्रशिक्षु उपनिरीक्षक कल्पना महंत, आरक्षक बलदेव निषाद, ऐश्वर्या सिन्हा, लोकेश्वर साहू, अशरफी खान, महेंद्र सोनवानी, रमन चंद्राकर, मनीष मिश्रा, महिला आरक्षक सुशीला ध्रुव सहित थाने का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस पर शस्त्र पूजन एवं पथ संचलन, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक एकता का दिया संदेश

रायपुर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस एवं विजयादशमी के अवसर पर सियान सदन, उद्या बस्ती, TATIBANDH , रायपुर में कार्यक्रम आयोजित कर विधिवत शस्त्र पूजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में संघ के मध्य क्षेत्र बौद्धिक प्रमुख श्री नागेंद्र जी तथा मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त कृषि संचालक श्री भारत चंद्राकर उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ शस्त्र पूजन से हुआ। उपस्थित लोगों को विजयादशमी एवं दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दी गईं।

मुख्य वक्ता श्री नागेंद्र जी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समाज को जोड़ने का कार्य करता है। उन्होंने समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए सभी से पंच परिवर्तन का पालन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सामाजिक जीवन में उत्पन्न नकारात्मकता और राष्ट्रविरोधी विचारों को पहचानना आवश्यक है। उन्होंने माता जगदंबा द्वारा चंड-मुंड एवं महिषासुर के वध का उदाहरण देते हुए कहा कि आज भी समाज को विभाजनकारी और राष्ट्रविरोधी शक्तियों से सावधान रहने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि हमें यह पहचानना होगा कि कौन समाज और राष्ट्र के हित में कार्य कर रहा है और कौन समाज को तोड़ने का प्रयास कर रहा है। राष्ट्र के प्रति समर्पण, अनुशासन और सेवा भावना ही सच्ची राष्ट्रभक्ति है।

श्री नागेंद्र जी ने इजराइल में भारतीय नागरिक मानव द्वारा संकट के समय 174 लोगों की जान बचाने का उदाहरण देते हुए कहा कि देश को ऐसे राष्ट्रभक्तों की आवश्यकता है, जो कठिन परिस्थितियों में भी मानवता और देशसेवा के लिए आगे आएं तथा भारत का नाम रोशन करें।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्री विभूति भूषण पांडे, संतोष गुप्ता, आशुतोष दुबे, सुनील शर्मा, धीरेंद्र तिवारी, कंवर लाल शर्मा, जितेंद्र शर्मा, गोपाल तावरी सहित अनेक स्वयंसेवक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पथ संचालक के रूप में श्री राकेश अग्रवाल तथा वाहिनी प्रमुख के रूप में कार्यकर्ताओं ने दायित्व निभाया। कार्यक्रम के मुख्य शिक्षक श्री अभिषेक त्रिपाठी रहे।

इसके पश्चात सियान सदन से पथ संचलन प्रारंभ होकर कॉलोनी, AIIMS परिसर एवं जनता कॉलोनी सहित विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरा। मार्ग में सोनी समाज, सक्षम, AIMAA भोजन सेवा, भंवरे मेडिकल, बंगाली समिति एवं विभिन्न मातृशक्तियों द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत एवं वंदन किया गया। इस दौरान जगह-जगह भारत माता की जय के जयकारे गूंजते रहे।

पथ संचलन में कुल 156 स्वयंसेवकों एवं नागरिकों की सहभागिता रही। सभी ने कदम से कदम मिलाकर अनुशासन, एकता, सामाजिक समरसता और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। इस अवसर पर सक्षम प्रांत संपर्क प्रमुख एवं सोनी समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री संजीव कुमार सोनी ने भी विभिन्न स्थानों पर पथ संचलन का स्वागत एवं वंदन किया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : नारायण भूषणिया द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर-40/44 इंडस्ट्रीयल एरिया बीरगांव उरला रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कराकर एच.डी.डी./49, फेस-2 मेन रोड, कबीर नगर रायपुर से प्रकाशित, संपादक-नारायण भूषणिया मो.नं. 09300491602, RNI पंजीयन क्रमांक: CHHHIN/2010/34778, Email ID- krantirath.cg@gmail.com, / web- www.krantirath.com